RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2022-2024 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

DPR No. N-193
www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 1 NOVEMBER TO 7 NOVEMBER 2023 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 09 ■ अंक 7 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

अक्टूबर में 1.72 लाख करोड़ रुपये रहा जीएसटी कलेक्शन Page 3

देश के अनकनेक्टेड इलाकों में ऐसे पहुंचेगा ब्रॉडबैंड स्पीड वाला इंटरनेट Page 4

चीन की हालत खस्ता, यूरोप में मंदी की आशंका लेकिन भारत का बज रहा दुनिया में डंका Page 5

editoria!

कतर का संदिग्ध मामला

खाड़ी के देश कतर की एक अदालत ने पिछले सप्ताह भारतीय नौसेना के आठ पूर्व सदस्यों को मौत की सजा सुना दी. इस फैसले से इन लोगों के परिवारों के साथ सरकार भी हैरान है. विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर इसे 'बहुत स्तब्ध' करने वाला फैसला बताया था. लेकिन, परदेस में अपने संबंधियों के अकेले इतने बड़े संकट में फंस जाने से भारत में उनके घरवाले बहुत बड़ी अनिश्चितता में घिर गये हैं. ऐसे में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इन आठ भारतीयों के परिवारजनों से मुलाकात कर कहा है कि सरकार उनकी रिहाई के लिए सभी प्रयास जारी रखेगी. यह मामला पिछले वर्ष का है, जब अगस्त में आठ पूर्व नौसैनिकों को कतर में गिरफ्तार कर लिया गया. ये लोग कतर की एक डिफेंस सर्विस कंपनी में काम करते थे. इसके बाद इस साल मार्च में मुकदमा शुरू हुआ, और 26 अक्तूबर को उन्हें दोषी ठहराकर मौत की सजा सुना दी गयी. इस मामले में सबसे परेशान करने वाली बात यह है कि यह सारी प्रक्रिया गोपनीय और संदिग्ध है. अभी तक यह भी सार्वजनिक नहीं किया गया है कि इन लोगों पर क्या आरोप थे. मुकदमा भी गुप्त तरीके से चला और किसी गवाह या सबूत का कोई ब्यौरा नहीं दिया गया. आठों लोगों के परिवारों और दोहा में भारतीय दूतावास के राजनयिकों के बार-बार अनुरोध के बावजूद कोई जानकारी नहीं दी गयी. विदेश में भारतीय नागरिकों को मौत की सजा सुना दी गयी, लेकिन इन लोगों के वकीलों और भारत सरकार को उस फैसले की कॉपी तक नहीं दी गयी. गिरफ्तारी के बाद से उनसे किसी को मिलने भी नहीं दिया गया. सूत्रों से मिली जानकारियों के आधार पर बताया जा रहा है कि इन लोगों पर एक पनडुब्बी परियोजना की जानकारी तीसरे देश को देने के आरोप हैं. ये मामला पूर्व नौसेना अधिकारी कुलभूषण जाधव के मामले की याद दिलाता है. जाधव को वर्ष 2016 में पाकिस्तान में जासूसी के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया था. लेकिन, कतर की स्थिति पाकिस्तान से अलग है क्योंकि उसके साथ भारत के अच्छे संबंध रहे हैं. कतर में सात लाख भारतीय प्रवासी हैं, जिनका उसकी अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान है. भारत को अपने कूटनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल कर अपने नागरिकों को रिहा कराना चाहिए, और साथ ही उसे यह स्पष्ट संदेश देना चाहिए कि ऐसे संदिग्ध मामलों से वहां काम कर रहे भारतीयों के मन में संदेह उत्पन्न होता है, और दोनों देशों का आपसी विश्वास भी कमजोर होता है.

Recession 2023:

अमेरिका में आई मंदी तो डूब जाएंगे दुनिया भर के शेयर बाजार

नई दिल्ली। एजेंसी

Federal Reserve Recession Fears-दुनिया भर के शेयर बाजार की निगाहें फेडरल रिजर्व की बुधवार शाम होने वाली कमेंट्री पर टिकी हुई है। फेडरल रिजर्व के जेरोम पोवेल बुधवार शाम अमेरिका की आर्थिक स्थिति और फेड की मोनेटरी पॉलिसी पर बयान देने वाले हैं। अगर शेयर बाजार के जानकारों की मानें तो दुनिया इस समय दो धड़े में बंटी हुई है। कुछ लोगों का मानना है कि अमेरिका की अर्थव्यवस्था मंदी की चपेट में है और इसकी इकोनामी सॉफ्ट लैंडिंग कर सकती है। कुछ लोगों का मानना है कि अमेरिका में बॉन्ड यील्ड में तेज वृद्धि और बेरोजगारी के बढ़ते आंकड़े उसके मंदी के दुश्चक्र में फंसने की शुरुआत हो सकते हैं।

आपकी उम्मीद से कहीं कम कीमत पर मुंबई में इको-फ्रैंडली फ्लैट

कुछ और लोगों का मानना है कि अमेरिका में महंगाई दर काबू में आ गई है इसलिए अमेरिका का केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ब्याज दरों में कटौती करने की तरफ बढ़ रहा है जिससे इकनामिक ग्रोथ को मदद मिल सके। दुनिया भर के उभरते बाजार अमेरिका के फेडरल रिजर्व बैंक की कमेंट्री की वजह से डरे हुए हैं। उन्हें यह आशंका है कि अगर अमेरिका

में आर्थिक मंदी की औपचारिक घोषणा या पुष्टि हो गई तो इसे दुनिया भर के शेयर बाजारों में बिकवाली बढ़ सकती है। दुनिया भर के इकनॉमिस्ट का मानना है कि अगर अमेरिका का केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व आर्थिक मंदी के संकेत देता है तो इसे दुनिया भर के शेयर बाजारों में बिकवाली बढ़ सकती है। इकनॉमिस्ट का मानना है कि साल 2023 में दुनिया के विकसित देशों में आर्थिक मंदी आ सकती है. इसके समय और इसकी गंभीरता पर हालांकि उनमें अलग-अलग मत हैं। फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों से संबंधित पॉलिसी भी अमेरिका में आर्थिक मंदी के संकेत दे रही है. अगर अमेरिका का केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ब्याज दरों में कटौती शुरू कर देता है तो इसके संकेत यह हैं कि अमेरिका की अर्थव्यवस्था मंदी के दुश्चक्र में फंस चुकी है और अब इकनामिक ग्रोथ को बढ़ावा देने के लिए फेडरल रिजर्व ब्याज दरों में धीरे-धीरे कटौती करना शुरू कर सकता है।

पिछले दो आर्थिक संकट में केंद्रीय बैंक की ब्याज संबंधित नीतियां इसी तरह की रही हैं। वास्तव में कंपनियों के सीईओ कभी आर्थिक मंदी की बात नहीं करते हैं। एक्सपर्ट का कहना है कि आईटी कंपनियों के अगले दो तिमाही के अनुमान यह जाहिर कर रहे हैं कि विकसित देशों की अर्थव्यवस्था आर्थिक मंदी में फंस चुकी है। इस समय कंपनियों के सीईओ के बयान पर बात करें तो ऐसा लगता है कि कंपनियों का कामकाज मंदी के दौर में फंस चुका है।

ऐतिहासिक रूप से जब अमेरिका में महंगाई की दर बढ़ती हैं तो उसका केंद्रीय बैंक फेडरल रिजल्ट ब्याज दर बढ़ाकर महंगाई को काबू करने की कोशिश करता है जिसकी वजह से उसकी अर्थव्यवस्था में मंदी आती है और दुनिया भर पर इसका असर देखा जाता है। इसी तरह जब अमेरिका की अर्थव्यवस्था मंदी के दौर में फंस जाती है तब फेडरल रिजर्व ब्याज दरों में धीरे-धीरे कटौती करता है और अमेरिका की अर्थव्यवस्था में सुधार होना शुरू होता है। बुधवार शाम एक बार फिर अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पावेल इससे संबंधित घोषणा करने वाले हैं जिस पर दुनिया भर के शेयर बाजारों की नज़रें टिकी हुई है।

2047 तक भारत 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा

यूके-फ्रांस को पछाड़ा, अब जापान- जर्मनी की बारी

नई दिल्ली। एजेंसी।

2047 तक भारत के 30 ट्रिलियन डॉलर की विकसित अर्थव्यवस्था होने का अनुमान है। नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रमण्यम ने रविवार यह जानकारी देते हुए बताया कि अगले तीन महीनों में पीएम मोदी द्वारा विजन इंडियाँ2047 डॉक्यूमेंट (Vision India@2047 Document) को जारी किए जाने की संभावना है। उन्होंने यह भी बताया कि दिसंबर तक विजन टॉक्यूमेंट का मसौदा तैयार होने से पहले अनुमानों में कुछ सुधार किया जाएगा (सुब्रमण्यम ने कहा विजन डॉक्यूमेंट लक्ष्य तक पहुंचने के लिए आवश्यक संरचनात्मक परिवर्तनों और सुधारों की रूपरेखा तैयार करेगा। इसमें व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, पूंजी, अनुसंधान और विकास संस्थाओं पर देश की वैश्विक भागीदारी के बारे में विवरण होने की भी उम्मीद है। वर्तमान में भारत पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था (GDP) और अनुमान है कि इस साल जीडीपी 3.7 ट्रिलियन डॉलर की रहेगी। ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि भारत की जीडीपी 2030 तक जापान और जर्मनी से आगे निकल जाएगी। रेटिंग एजेंसी एसएंडपी का अनुमान है कि भारत की जीडीपी 2022 में 3.4 ट्रिलियन डॉलर थी। यह 2030 तक बढ़कर 7.3 ट्रिलियन डॉलर हो जाएगी।

मौजूदा रैंक, देश और उनकी जीडीपी (अरब डॉलर में)

संयुक्त राज्य अमेरिका 26,954
चीन 17,786
जापान 4,231
जर्मनी 4,430
भारत 3,730
यूनाइटेड किंगडम (यू.के.) 3,332
फ्रांस 3,052
इटली 2,190
ब्राज़ील 2,132
कनाडा 2,122

ब्रिटेन और फ्रांस छूटे पीछे अब जापान और जर्मनी की बारी

सुब्रमण्यम ने कहा, 'आर्थिक विस्तार की इस तीव्र गति के परिणामस्वरूप 2030 तक भारत के जीडीपी का आकार जापान के जीडीपी से अधिक हो जाएगा, जिससे भारत एशिया-प्रशांत क्षेत्र में दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। 2022 तक भारतीय जीडीपी का आकार ब्रिटेन और फ्रांस की जीडीपी से भी बड़ा हो चुका था। ' केंद्र सरकार के तैयार किए जा रहे विजन डॉक्यूमेंट के प्रारंभिक नतीजों से पता चला है कि अर्थव्यवस्था को 2030-2040 के बीच 9.2 फीसद, 2040-2047 के बीच 8.8 फीसद और 2030 से 2047 के बीच 9 फीसद की वार्षिक औसत आर्थिक वृद्धि दर्ज करने की आवश्यकता होगी।'

LPG गैस से लेकर बैंकिंग GST तक बदल गए ये 5 नियम

नई दिल्ली। एजेंसी

1 नवंबर 2023 को नए महीने की शुरुआत हो चुकी है. ऐसे में कई बड़े बदलाव की भी खबर सामने आ रही है. जिसका सीधा असर आम लोगों की जेब पर पड़ने वाला है. खासकर पहला बड़ा बदलाव रसोई गैस की कीमत को लेकर देखने को मिला है. इसके बाद बीमा धारक को और कारोबारी से जुड़े बदलाव देखने को मिले हैं तो आईए जानते हैं कि इस महीने कौन 5 बड़े बदलाव को लेकर फैसला लिया गया है?

पहली नजर LPG की कीमत पर

हर महीने की पहली तारीख को LPG की कीमत को लेकर ऑयल मार्केटिंग कंपनियां कुछ नया संशोधन करती हैं. ऐसे में इस महीने की शुरुआत और फेस्टिवल सीजन को देखते हुए सरकार भी रसोई गैस की कीमत को लेकर लोगों को राहत देने का फैसला लिया है. जिसके बाद अब यह अनुमान लगाया जा रहा है कि इसी महीने कीमत में कुछ उतार-चढ़ाव जरूर देखने को मिल सकता है.

GST का नंबर दूसरा

1 नवंबर 2023 से बदले गए जीएसटी के नियम में यह सबसे बड़ा बदलाव राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र की ओर से 100 करोड़ से अधिक के कारोबार करने वाले कारोबारी को 30 दिन के अंदर ई-चालान पोर्टल पर जाकर जीएसटी चालान को अपडेट करना होगा.

BSE ट्रांजैक्शन को लेकर भी चर्चा

दरअसल, पहली सत्ता में इक्विटी के डेरी बेटी से कमेंट मेरा इंजेक्शन शुल्क वो बढ़ाने को लेकर मुंबई स्टॉक एक्सचेंज (BSE) की ओर से फैसला लिया गया था. जिसे अब 1 नवंबर 2023 लागू कर दिया जाएगा. यानी कि अब शेयर बाजार में निवेश करने वाले लोगों को इसका असर देखने को मिल सकता है.

बीमाधारक के लिए खास खबर

अगला और चौथा सबसे बड़ा बदलाव बीमाधारकों को लेकर है. यानी अब से इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (IRDAI) की ओर से सभी बीमा धाराक के लिए केवाईसी करवाना अनिवार्य कर दिया जाएगा.

इस महीने बंद रहेंगे 15 दिन बैंक

आरती रिजर्व बैंक की ओर से नंबर महीने में अलग-अलग राज्यों के अलग-अलग बैंक को तमाम त्योहारी सीजन को देखते हुए बंद रखा जाएगा. जिसमें छठ पूजा, दिवाली, भाई दूज जैसे कई पावन पर्व के उपलक्ष में 15 दिनों के लिए सभी बैंक बंद रहेंगे. इसीलिए आप बैंक से जुड़े सभी काम को अभी जाकर करवा सकते हैं या फिर ऑनलाइन बैंकिंग का इस्तेमाल कर सकते हैं.

2 हजार के नोट के बाद RBI ने 1 और 10 रुपये के सिक्के को लेकर किया Notification जारी

नई दिल्ली। एजेंसी

आपने अक्सर देखा होगा कि कुछ दुकानदार 10 रुपये का सिक्का या एक रुपये का छोटा वाला सिक्का लेने से इनकार करते हैं। कई लोग कहते हैं कि 10 रुपये के सिक्के नकली हैं या कि एक रुपये के सिक्के अब नहीं हैं। अगर आपके पास भी एक और दस रुपये के सिक्के हैं, तो आप इस सूचना को पढ़ सकते हैं। दरअसल, आरीबाआई ने हाल ही में जारी किए गए दो हजार रुपये के नोट के बाद एक और दस रुपये के सिक्के का नया नोटिफिकेशन जारी किया है। जो आपके लिए बहुत महत्वपूर्ण है। ऐसे में आपको कई बार मुश्किल भी होगी। लेकिन आप जानते हैं कि ऐसा करना कानूनन अपराध है और आप उन लोगों की शिकायत करते हैं तो उन्हें सजा भी मिल सकती है। ऐसे में आप जानते हैं कि आप किस तरह शिकायत कर सकते हैं अगर ऐसा होता है। साथ ही सिक्का लेने के नियमों और सजा के बारे में भी जानिए। सिक्कों के नियमों को जानें...।

क्या हो सकती है कार्रवाई?

यदि कोई व्यक्ति सिक्का लेने से मना करता है (यदि सिक्का चलन में है), तो उसके खिलाफ एफआइआर दर्ज कराई जा सकती है। भारतीय मुद्रा अधिनियम और आईपीसी के तहत उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। रिजर्व बैंक भी मामले की शिकायत कर सकता है। दुकानदार या कोई भी व्यक्ति जो सिक्के लेने से इनकार करता है, उसके खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है।

क्या सजा का प्रावधान है?

भारतीय दण्ड संहिता की धारा 489ए से 489इ के तहत जाली नोट या सिक्के का मुद्रण, चलाना और सही सिक्कों को लेने से मना करना अपराध है। किसी विधिक न्यायालय इन धाराओं के तहत आर्थिक जुर्माना, कारावास या दोनों लगा सकता है। ऐसे में आप सिक्का लेने से मना करने वाले व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई कर सकते हैं।

आरबीआई ने भी जानकारी दी थी?

जैसे, रिज़र्व बैंक ने भी सिक्कों को लेकर जानकारी दी थी और कहा था कि कोई भी सिक्के नकली नहीं थे। साथ ही, आरबीआई ने 10 रुपये के सिक्के के बारे में जो अफवाहें फैलाई जा रही थीं, वे गलत थीं। ऐसे में आप किसी भी 10 रुपये के सिक्के को लेन-देन में ले सकते हैं। ध्यान दें कि भारतीय रिजर्व बैंक को 10,000 रुपये से लेकर 2 रुपये के नोट बनाने का अधिकार है। आरबीआई के बजाय वित्त मंत्रालय एक रुपये का नोट छापता है, जिस पर वित्त सचिव के हस्ताक्षर होते हैं।

एचडीएफसी इर्गो ने रबी सीजन में मप्र के किसानों के लिए पीएम फसल बीमा योजना लागू की

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

भारत में निजी क्षेत्र की अग्रणी सामान्य बीमा कंपनी, एचडीएफसी इर्गो जनरल इंश्योरेंस कंपनी को मध्य प्रदेश सरकार ने रबी, 2023 सीजन के लिए अलीराजपुर, बड़वानी, बुरहानपुर, धार, झाबुआ, खंडवा और खरगोन जिलों में ऋणी और गैर-ऋणी किसानों के लिए प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) लागू करने के लिए अधिकृत किया है। इन जिलों में इस योजना का क्रियान्वयन मध्य प्रदेश सरकार द्वारा योजना के अंतर्गत अधिसूचित निम्नलिखित फसलों के लिए किया जाएगा, जिनके लिए फसलों के अनुसार कट-ऑफ तिथियाँ निम्नलिखित हैं:

पीएमएफबीवाई योजना में किसानों को तूफ़ान, ओलावृष्टि, बाढ़, तूफ़ानी बारिश, बेमौसम बारिश, बादल फटने, प्राकृतिक कारणों से लगी आग जैसे कई बाहरी खतरों के कारण फसल को होने वाले नुकसान से बीमा की सुरक्षा मिलती है। फसल के नुक़सान का आकलन करने के लिए, राज्य सरकार इस योजना के लिए अधिसूचित क्षेत्रों में अधिसूचित फसलों पर फसल कटाई प्रयोग (सीसीई) की योजना बनाकर संचालन करेगी। यदि सीसीई में फसल के कम आँकड़े पाए जाते हैं, तो माना जाएगा कि फसल की पैदावार कम हुई है, जिसके लिए किसान को क्लेम दिया जाएगा।

इस योजना के अंतर्गत फसल चक्र के हर चरण के लिए बीमा कवर मिलेगा, जिसमें बुआई से पहले, कटाई और कटाई के बाद के जोखिम भी शामिल हैं। पीएमएफबीवाई योजना के अंतर्गत आने वाले सभी उत्पादों को मध्य प्रदेश सरकार के कृषि विभाग से अनुमोदन मिला है। अलीराजपुर, बड़वानी, बुरहानपुर, धार, झाबुआ, खंडवा और खरगोन जिलों के किसान ऊपर सूचीबद्ध फसलों के लिए पीएमएफबीवाई योजना के तहत बीमा कवर का लाभ अपने जिले में अपने बैंक, कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) या फिर अधिकृत एचडीएफसी इर्गो एजेंट्स से संपर्क करके प्राप्त कर सकते हैं। बीमा कवर प्राप्त करने की अंतिम तिथि का वर्णन एवं अन्य विवरण कृषि विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध होगा। किसान ऐप पर लॉगऑन करके या वेबसाइट https://pmfby.gov.in/farmerLogin पर इस योजना में सेल्फ-एनरोलमेंट द्वारा भी किसान इसका लाभ ले सकते हैं।

इजरायल-हमास संघर्ष के बीच विरोध प्रदर्शनों से बेकाबू हो रहे ब्रिटेन के हालात

पीएम ऋषि सुनक ने उठाया ये कदम

नई दिल्ली। एजेंसी

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक इजरायल-गाजा संघर्ष के बीच और देश की सड़कों पर व्यापक प्रदर्शनों की पृष्ठभूमि से चिंतित हो उठे हैं। गाजा में इजरायली हमले के खिलाफ ब्रिटेन में लगातार फिलिस्तीनियों के सपोर्ट में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। लंदन पुलिस को इन हालातों पर काबू पाने के लिए पसीना बहाना पड़ रहा है। ऐसे में हालात लगातार चिंताजनक होते जा रहे हैं। इसलिए प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने ब्रिटेन के लिए घरेलू सुरक्षा मुद्दों का विश्लेषण करने के लिए सोमवार को लंदन में 10 डाउनिंग स्ट्रीट में एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे हैं। '

यह कैबिनेट ऑफिस ब्रीफिंग रूम्स ए' (कोबरा) बैठक ऐसे समय में हो रही है जब एक और सप्ताहांत में हजारों लोगों ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के खिलाफ प्रदर्शन किए। प्रदर्शन के दौरान नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया और पांच पर सार्वजनिक व्यवस्था संबंधी अपराधों के आरोप लगाए गए हैं। बैठक में ब्रिटेन की गृह मंत्री सुएला ब्रेवरमैन भी शामिल हुईं। ब्रिटेन के शिक्षा मंत्री रॉबर्ट हाफटन ने डाउनिंग स्ट्रीट में उच्च स्तरीय कोबरा बैठक के संदर्भ में 'टाइम्स रेडियो' से कहा, ''हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि ब्रिटिश नागरिक आतंकवाद के खतरे से सुरक्षित रहें जैसा कि सरकार हमेशा करती है।'' इस बैठक से पहले मेट्रोपोलिटन पुलिस आयुक्त सर मार्क रॉवले ने ब्रिटेन की सड़कों पर चरमपंथ से निपटने के लिए ''सख्त'' कानून बनाने का आह्वान किया था।

ब्रिटेन में हमला कर सकते हैं प्रदर्शनकारी

ब्रिटेन सरकार ने अपने देश में हमले की आशंका जतायी है। मेट्रोपोलिटन पुलिस के अनुसार, तीन सप्ताह पहले पश्चिम एशिया में संकट गहराने के बाद से देश में यहूदी विरोधी घटनाओं में 14 गुना वृद्धि हुई है खबरों के अनुसार, ब्रिटेन सरकार देश में प्रदर्शन से जुड़ी कुछ चरमपंथी चिंताओं से निपटने के लिए आतंकवाद संबंधी कानूनों को कड़ा करने के तरीकों पर विचार कर सकती है। ब्रेवरमैन ने ऐसी घटनाओं के खिलाफ कड़ी

पुलिस कार्रवाई न करने को लेकर सवाल किया जबकि पुलिस ने आगाह किया कि ऐसे मामलों के खिलाफ कानून को पूरी तरह परिभाषित नहीं किया गया है।

लंदन में 100 से अधिक प्रदर्शनकारी गिरफ्तार

इस माह के शुरू में इजराइल-हमास संघर्ष बढ़ने के बाद से लंदन में लगभग 100 गिरफ्तारियां की गई हैं। मेट्रोपोलिटन पुलिस प्रमुख का अनुमान है कि अगले कुछ हफ्तों में 'और भी गिरफ्तारियां' होंगी क्योंकि पुलिस उन लोगों का पता लगा रही है जिन्होंने हाल के प्रदर्शनों में सार्वजनिक व्यवस्था और आतंकवाद संबंधी कानूनों का उल्लंघन किया था । इस बीच, ब्रिटेन के अपराध और पुलिसिंग मंत्री क्रिस फिलिप ने देश के पुलिस प्रमुखों को पत्र लिखकर उनसे अपराधियों को पकड़ने के लिए चेहरे की पहचान करने वाली, कृत्रिम बुद्धिमत्ता से लैस तकनीक का इस्तेमाल कर छापेमारी की संख्या दोगुनी करने को कहा है।

अक्टूबर में 1.72 लाख करोड़ रुपये रहा जीएसटी कलेक्शन

इस वजह से रिकॉर्डतोड़ बढ़ा सरकारी खजाना

नई दिल्ली। एजेंसी

वित्त मंत्रालय ने बुधवार को जीएसटी के आंकड़े जारी किए। मंत्रालय ने बताया कि इस वर्ष अप्रैल के बाद दूसरी बार सबसे अधिक जीएसटी संग्रह अक्टूबर में हुआ। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह अक्टूबर में सालाना आधार पर 13 प्रतिशत बढ़कर 1.72 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। जीएसटी चोरी रोकने के सख्त उपाय और त्योहार के दौर में उपभोक्ताओं के अधिक खरीदारी करने के कारण जीएसटी संग्रह बढ़ा है।

वित्त मंत्रालय ने बुधवार को जीएसटी के आंकड़े जारी किए। मंत्रालय ने बताया कि इस वर्ष अप्रैल के बाद दूसरी बार सबसे अधिक जीएसटी संग्रह अक्टूबर में हुआ। अप्रैल में सबसे अधिक जीएसटी संग्रह 1.87 लाख करोड़ रुपये हुआ था। यह सितंबर में 1.63 लाख करोड़ रुपये रह गया था।

मंत्रालय के मुताबिक वित्त वर्ष 2023-24 में औसत मासिक जीएसटी संग्रह 1.66 लाख करोड़ रुपये रहा है। यह पिछले साल की तुलना में 11 प्रतिशत अधिक है। यह लगातार आठवां महीना है जब जीएसटी संग्रह 1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा है। अक्टूबर के दौरान घरेलू लेन-देन (सेवाओं के आयात सहित) बीते साल के इस महीने की तुलना में 13 फीसदी अधिक रहा।

डेलाइट इंडिया के पार्टनर एमएस मणि ने कहा, 'बीते कुछ महीनों के दौरान जीएसटी संग्रह महत्त्वपूर्ण रूप से मजबूत हुआ है। यह केवल मजबूत आर्थिक कारकों के कारण ही नहीं बढ़ा है बल्कि कर अधिकारियों के कर चोरी रोकने के उपायों पर अंकुश लगाने से हुआ है। कर अधिकारियों ने छोटे भुगतान के आंकड़ों का विभिन्न तरीकों से विश्लेषण किया है।'

अक्टूबर, 2023 में कुल जीएसटी राजस्व 1.72 लाख करोड़ रुपये रहा। इसमें केंद्रीय जीएसटी 30,062 करोड़ रुपये, राज्य जीएसटी 38,171 करोड़ रुपये, एकीकृत जीएसटी (माल आयात पर एकत्र 42,127 करोड़ रुपये सहित) 91,315 करोड़ रुपये और उपकर 12,456 करोड़ रुपये (वस्तुओं के आयात पर एकत्र 1,294 करोड़ रुपये सहित) हैं। सरकार ने आईजीएसटी में सीजीएसटी के 42,873 करोड़ रुपये और एसजीएसटी के 36,614 करोड़ रुपये का निपटान किया है। नियमित निपटान के बाद अक्टूबर में केंद्र और राज्यों का कुल राजस्व सीजीएसटी के लिए 72,934 करोड़ रुपये और एसजीएसटी के लिए 74,785 करोड़ रुपये है।

केपीएमजी में अप्रत्यक्ष कर के प्रमुख व साझेदार अभिषेक जैन ने कहा, 'वित्त वर्ष 17-18 के निपटान की सामान्य अवधि 30 सितंबर को समाप्त हुई थी जो जीएसटी संग्रह को बढ़ाने में प्रमुख भूमिका निभा सकती है। वित्त वर्ष के मध्यम में ऐसा बढ़ा हुआ संग्रह होना निश्चित रूप से उत्साहजनक है और त्योहार के मौसम में जारी खपत से जीएसटी संग्रह बढ़ सकता है।' विशेषज्ञों ने रुझानों के हवाले से अनुमान जताया है कि त्योहारी मौसम में जीएसटी संग्रह बढ़ने का दौर जारी रह सकता है। ईवाईके टैक्स पार्टनर सौरभ अग्रवाल के अनुसार, 'इस महीने में जीएसटी संग्रह बढ़ना भारत की मजबूत होती अर्थव्यवस्था को प्रदर्शित कर सकता है।'

राज्यवार संग्रह

देश के राज्यों/ केंद्रशासित प्रदेशों में जम्मू एवं कश्मीर, मिजोरम, लद्दाख, लक्षद्वीप, मेघालय, सिक्किम आदि में उपभोग और कर का आधार बढ़ा है। इस महीने के दौरान राज्यों में 10 फीसदी से अधिक की वृद्धि दर्ज हुई। महाराष्ट्र, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में क्रमश 14 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 10 प्रतिशत और 9 प्रतिशत वृद्धि दर्ज हुई।

स्काईस्कैनर ने अगले साल के लिए यात्रा के रुझानों का खुलासा किया

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

ग्लोबल ट्रैवल साइट स्काईस्कैनर ने अपनी ट्रैवल ट्रेंड्स रिडिफाइनिंग वैल्यू थ्रू एक्सपीरियंस इन 2024 रिपोर्ट के साथ यात्रा के संपूर्ण दायरे को शामिल करते हुए इस उद्योग और यात्रियों के व्यवहार को आकार देने वाले नई ट्रेंड्स साझा किए हैं स्काईस्कैनर ने आज 2024 के लिए सबसे ज्यादा चर्चित ट्रैवल के प्रकार और उत्साह तथा सर्वोच्च 10 ट्रेंड होने वाले स्थानों और सर्वोत्तम मूल्य वाले गंतव्यों का खुलासा किया, जिसके साथ लाखों सर्च एवं प्रोप्राइटरी उड़ानों और होटल के आँकड़ों के साथ उपभोक्ताओं के वार्षिक व्यवहार के अध्ययन एवं विशेषज्ञों की टिप्पणी भी पेश की गई।

इन परिणामों के बारे में स्काईस्कैनर ट्रैवल ट्रेंड्स एंड डेस्टिनेशन विशेषज्ञ, मोहित जोशी ने कहा भारतीय यात्रियों में खोजने और समृद्ध एवं ज्यादा संतोषजनक अनुभवों के साथ छुट्टियों का पूरा आनंद लेने की इच्छा साफ है क्योंकि वो (63प्रतिशत) 2024 में यात्रा पर ज्यादा खर्च करने की योजना बना रहे हैं। अगले साल सांस्कृतिक खोज पर ध्यान केंद्रित करने के साथ भारत में यात्रा की मजबूत मांग का कारण स्काईस्कैनर जैसा ट्रैवल मेटासर्च भारतीयों को बेहतरीन मूल्य प्रदान कर सकता है। उदाहरण के लिए, इसमें 'एक्स्प्लोर एवरीव्हेयर' सर्च फीचर का उपयोग कर मूल्य के आधार पर स्थानों को तलाशा जा सकता है। स्काईस्कैनर के टूल्स की मदद से यात्रियों को मोलभाव करने के कई तरीके मिलते हैं, ताकि वो उन्हीं सुविधाओं के लिए भुगतान करें, जो वो चाहते हैं।' रिपोर्ट के आँकड़े प्रदर्शित करते हैं कि फिल्म और मनोरंजन का भारतीय यात्रियों पर गहरा प्रभाव पड़ता है। 94प्रतिशत भारतीय उन जगहों पर जाना चाहते हैं, जो वो बड़े या छोटे पर्दे पर देखते हैं। इसके अलावा, लगभग आधे (43प्रतिशत) उत्तरदाता 2024 में कहाँ जाना है, यह निर्णय लेने के लिए उस जगह की 'वाइब' को महत्व देते हैं।

अमेरिकी डॉलर हुआ मजबूत तो भारतीय करेंसी पर दिखा इसका असर

नई दिल्ली। एजेंसी

शेयर बाजार में गिरावट और अमेरिकी डॉलर में हुई वृद्धि ने भारतीय करेंसी को प्रभावित किया है। आज अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 3 पैसे की गिरावट के साथ खुला है। वहीं शेयर बाजार में स्टॉक एक्सचेंज गिरावट के साथ कारोबार कर रहे हैं। केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में पूरे साल के लक्ष्य का 39.3 प्रतिशत तक पहुंच गया।

टाटा मोटर्स की सीएसआर पहल से पिछले दशक में 60 लाख से अधिक लोगों को लाभ

वित्त वर्ष 23 के लिए 9वीं वार्षिक सीएसआर रिपोर्ट जारी

मुंबई। एजेंसी

भारत की प्रमुख ऑटोमोबाइल कंपनी, टाटा मोटर्स ने आज अपनी 9वीं वार्षिक सीएसआर रिपोर्ट जारी की। इस रिपोर्ट में स्वास्थ्य (आरोग्य), शिक्षा (विद्याधनम), नियोजनीयता (कौशल्य) और पर्यावरण (वसुधरा) के क्षेत्रों में भारत के सबसे गंभीर और सामाजिक चुनौतियों को हल करने की दिशा में व्यापक प्रयासों पर रोशनी डाली गई है। सामूहिक रूप से, इन प्रयासों से पिछले 10 वर्षों में 60 लाख से अधिक लोगों को लाभ पहुँचा है और इन लाभार्थियों का एक बड़ा हिस्सा हाशिये पर पड़े समुदायों से आता है।

वर्ष 2014 में, टाटा मोटर्स ने देश भर में अपनी सीएसआर पहलों को एक समान सुसंगत करने के लिए 4 स्तंभों पर आधारित एक व्यापक दृष्टिकोण अपनाया था। अलग-अलग इकाइयों और टीमों द्वारा प्रत्येक चिन्हित क्षेत्र में प्राप्त क्षमता, अनुभव और

विशेषज्ञता की बदौलत स्पष्ट निर्धारित परिणामों और उल्लेखनीय उपलब्धियों के साथ फोकस्ड मध्यवर्तनों का निर्माण और कार्यान्वयन किया गया। सभी स्थानों में कार्यक्रमों में समरूपता, डिजिटल तकनीकों का लाभ, विविध हितधारकों के साथ साझेदारियों को बढ़ावा देना और समुदायों के साथ भरोसे की मजबूती के द्वारा कंपनी ने अनुमानित प्रभाव से काफी अधिक प्रभाव पैदा किया है। इस अवसर पर टाटा मोटर्स के सीएसआर हेड, श्री विनोद कुलकर्णी ने कहा कि, 'टाटा मोटर्स में हमारे सीएसआर संबंधी प्रयास समावेशी विकास को बढ़ावा देने और इस प्रकार राष्ट्र-निर्माण में योगदान करने के प्रति हमारी अडिग वचनबद्धता के साथ गहराई से जुड़े हैं। हमें अपने प्रयासों से लाखों लोगों पर सकारात्मक प्रभाव डालकर बहुत खुशी हो रही है। असल में, सीएसआर से सम्बंधित हमारे अनेक विचार और कार्यक्रम में से अनेक विशाल परियोजनायें हो गई हैं, जो सामुदायिक विकास के लिए मॉडल के रूप में अनुकरणीय हैं। '

देश के अनकनेक्टेड इलाकों में ऐसे पहुंचेगा ब्रॉडबैंड स्पीड वाला इंटरनेट

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

देश के दूरदराज के इलाकों, ठेठ ग्रामीण या जंगलों में बसे गांवों में भी अब ब्रॉडबैंड की स्पीड वाला इंटरनेट कनेक्शन पहुंचेगा। इन इलाकों को कनेक्ट करने के लिए रिलायंस जियो 'जियो स्पेस फाइबर' नाम की एक नई टेक्नोलॉजी लॉन्च करने की घोषणा की है। इसका प्रदर्शन आज से यहां के प्रगति मैदान में शुरू हुए इंडिया मोबाइल कांग्रेस में किया गया है। इस तकनीक का जायजा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी लिया।

क्या है स्पेस फाइबर तकनीक

रिलायंस जियो की तरफ से उपलब्ध कराई गई जानकारी के मुताबिक 'जियो स्पेस फाइबर' सैटेलाइट बेस्ड गीगा फाइबर टेक्नोलॉजी है। यह उन दुर्गम और दूर-दराज के इलाकों को कनेक्ट करेगा जहां फाइबर केबल से ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी पहुंचाना मुश्किलों भरा काम है। कंपनी का दावा है कि यह सर्विस पूरे देश में अत्यधिक किफायती कीमतों पर उपलब्ध होगी।

देश के चार राज्यों में हो गई सेवा शुरू

कंपनी का कहना है कि देश

के चार सबसे दूरस्थ स्थानों को जियो स्पेस फाइबर से जोड़ा जा चुका है। इनमें गुजरात का गिर नेशनल पार्क, छत्तीसगढ़ का औद्योगिक शहर कोरबा, उड़ीसा का नबरंगपुर और असम का ओएनजीसी-जोरहाट शामिल है। कंपनी का कहना है कि जियो फाइबर और जियो एयर फाइबर के बाद रिलायंस जियो के कनेक्टिविटी पोर्टफोलियो की यह तीसरी बड़ी टेक्नोलॉजी है। 'जियो स्पेस फाइबर' से दूरदराज के इलाकों में ब्राडबैंड कनेक्टिविटी पहुंचाने के लिए एसईएस कंपनी के उपग्रहों का इस्तेमाल किया जाएगा। यानी 'जियो स्पेस फाइबर' से अब कहीं भी और कभी भी विश्वसनीय मल्टी-गीगाबिट कनेक्टिविटी मिलेगी। चुनौती भरे इलाकों में उपग्रह-आधारित इंटरनेट सेवाओं को पहुंचाने के लिए 'जियो स्पेस फाइबर' इनोवेटिव एवं एडवांस ञ्उएध् तकनीक का उपयोग करेगा।

क्या कहना है छोटे अंबानी का

रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड के अध्यक्ष आकाश अंबानी ने कहा, 'जियो ने भारत में लाखों घरों और व्यवसायों को पहली बार ब्रॉडबैंड इंटरनेट का अनुभव कराया। जियो स्पेस फाइबर के साथ हम अभी तक अनकनेक्टिड लाखों लोगों को कवर करेंगे। ऑनलाइन सरकार, शिक्षा, स्वास्थ्य और मनोरंजन सेवाओं तक, जियोस्पेसफाइबर हर किसी को, हर जगह कनेक्ट कर सकेगा।' इसी अवसर पर एसईएस के मुख्य रणनीति अधिकारी जॉन-पॉल हेमिंग्वे ने कहा, 'जियो के साथ मिलकर, हम एक अद्वितीय समाधान के साथ भारत सरकार की डिजिटल इंडिया पहल का समर्थन करके सम्मानित महसूस कर रहे हैं। इसका उद्देश्य भारत में किसी भी स्थान पर प्रति सेकंड कई गीगाबिट थ्रूपुट प्रदान करना है।'

डॉ.सी.एल.यादव लंदन में होम्योपैथीक लाइफ टाइम अचीवमेंट आवार्ड से सम्मानित

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

हैनीमैन कॉलेज ऑफ होम्योपैथी लंदन, द्वारा आयोजित होटल हॉलिडे-इन कांफ्रेंस हॉल में अंतरराष्ट्रीय होम्योपैथीक कांफ्रेंस 28 अक्टूबर 2023 में इंदौर मध्य प्रदेश के वरिष्ट, सुप्रसिद्ध होम्योपैथिक चिकित्सक एवं अध्यक्ष होम्योपैथीक एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया शाखा इंदौर के डॉ. सी. एल. यादव ने आर्थराइटिस एवं गठिया रोग का होम्योपैथीक दवाइयों द्वारा सफलता पूर्वक इलाज पर सात समुंदर पार लंदन में व्याख्यान एवं शोधपत्र प्रस्तुत किया । डॉ. यादव ने वात (गठिया) एवं जोड़ो की समस्या और उनका होम्योपैथीक चिकित्सा विधि द्वारा इलाज के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए, अपने क्लिनिकल अनुभव को सभी के सामने साझा किया । इस अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस में लंदन, स्कॉटलैंड, यूनाइटेड किंगडम, इटली, सिंगापुर, श्रीलंका, पाकिस्तान आदि देसों के वरिष्ट होम्योपैथिक चिकित्सक के समक्ष्य अपने क्लिनिकल अनुभवों एवं रिसर्च पेपर को प्रस्तुत किया । डॉ सी.एल.यादव (प्राचार्य इंडेक्स होम्योपैथीक कॉलेज एवं रिसर्च सेंटर इंदौर) के रिसर्च पेपर को खूब सराहा गया ।

डॉ. द्विवेदी बने विवि में निकाय (प्रबंधकीय बोर्ड) सदस्य

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग (शिक्षा मंत्रालय) द्वारा उज्जैन स्थित अवंतिका विश्वविद्यालय के शासी निकाय में डॉ. पुनीत कुमार द्विवेदी प्रोफ़ेसर एवं समूह निदेशक, (मॉडर्न ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूट्स इंदौर) का मनोनयन किया गया है। इस उपलब्धि पर इंदौर और उज्जैन संभाग के शिक्षाविदों एवं समाजसेवियों में डॉ. पुनीत द्विवेदी को बधाई दी है। ज्ञात हो कि, उच्च शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश एवं मध्य प्रदेश निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग, मध्य प्रदेश शासन के अंतर्गत डॉ. पुनीत द्विवेदी का मनोनयन हुआ है। डॉ. द्विवेदी उच्च शिक्षा विभाग, मध्य प्रदेश शासन के नॉमिनी के रूप में अपनी सेवायें देगें। बतादें कि प्रबंधकीय, उद्यमिता उच्च शिक्षा एवं फ़ार्मास्यूटिकल्स शिक्षा के क्षेत्र में मज़बूत पकड़ रखने वाले डॉ. द्विवेदी के नाम 16 पेटेंट प्रकाशित हैं। उद्यमिता एवं स्टार्टअप के क्षेत्र में 21 से अधिक पुस्तकों का लेखन एवं संपादन डॉ. द्विवेदी ने किया है। इंदौर स्वच्छता के ब्रांड एंबेसडर के रूप लगातार 7 वर्षों से अपनी सेवायें दे रहे डॉ. द्विवेदी का सम्मान मुख्य मंत्री एवं राज्यपाल द्वारा किया गया है। डॉ. पुनीत द्विवेदी सविष्कार मालवा के प्रमुख एवं राष्ट्रीय मेंटर की भूमिका में हैं।

इजरायल-हमास युद्ध से नुकसान के साथ भारत को ये फायदे भी

दवा इंडस्ट्री के लिए मौका-मौका

नई दिल्ली। एजेंसी

हमास आतंकियों के हमले के बाद से इजरायल की जबावी कार्रवाई लगातार जारी है। इजरायल से तय कर लिया है कि जब तक वो हमास आतंकियों को खत्म नहीं कर देता युद्ध जारी रखेगा। युद्ध वैसे तो किसी के लिए भी अच्छा नहीं है, लेकिन इजरायल हमास के बीच जारी इस जंग से कई फायदे भी छिपे है। ग्लोबल इकॉनमी के दौर में हर देश दूसरे से लिंक है। ऐसे में जंग का असर केवल इजरायल और फिजिस्तीन तक सीमित नहीं रहेगा। इसका असर वैश्विक स्तर पर पड़ेगा। अगर भारत के हिसाब से देखे तो युद्ध के कारण महंगाई बढ़ेगी, लेकिन इस जंग से कुछ फायदे भी होंगे।

इजरायल युद्ध से फायदे

ईटी की एक रिपोर्ट के अनुसार, इजरायल में कई वैश्विक टेक कंपनियों के दफ्तर हैं। अगर युद्ध लंबा चला तो इन कंपनियों का परिचालन प्रभावित होगा। ऐसे में कंपनियां इजरायल से अपना कारोबार समेटकर भारत या अन्य देशों में शिफ्ट कर सकती हैं। इजरायल में 500 से ज्यादा मल्टीनेशनल कंपनियों के दफ्तर है। युद्ध की स्थिति में इन कंपनियों का कामकाज प्रभावित हो रहा है। इंटेल, माइक्रोसॉफ्ट और गूगल जैसी बड़ कंपनियों ने अपने कर्मचारियों की सुरक्षा को देखते हुए अस्थाई तौर पर इजरायल में कामकाज बंद कर रखा है। अगर युद्ध लंबे समय तक चला तो ये कंपनियां इजरायल से अपना कारोबार समेटकर कहीं और शिफ्ट कर सकती है। ईटी की रिपोर्ट में विशेषज्ञों के हवाले से कहा गया है कि इजरायल में अपना दफ्तर चला रही कंपनियां अपना कारोबार किसी ऐसी जगहों पर शिफ्ट कर सकती हैं, जिनका टाइम जोन इजरायल से मैच करता हो। ऐसे में भारत और पश्चिम एशियाई देश उनके लिए विकल्प बन सकते है। जिस तरह से बीते कुछ सालों से भारत विदेशी कंपनियों की पहली पसंद बनकर उभरा है, इसका फायदा उसे यहां भी मिल सकता है।

फार्मा कंपनियों को फायदा

इजरायल हमास युद्ध से भारत की फार्मा कंपनियों के लिए नए मौके खुल सकते हैं। युद्ध और तनाव के चलते पश्चिम एशिया के कई देशों के दवा उद्योगों के सामने संकट है। यूएई, बहरीन, ओमान, कतर जैसे देश आयात पर निर्भर है। युद्ध के कारण इस देशों का करीब 1 बिलियन डॉलर का दवा व्यापार प्रभावित हो सकता है। ऐसे में ये देश भारत की फार्मा इंडस्ट्री का मुंह ताक सकती है। उनके लिए ये मौका हो सकता है। हालांकि ऐसा नहीं है कि इस युद्ध का भारत पर असर नहीं पड़ेगा। कच्चे तेल की कीमत में तेजी से देश में महंगाई बढ़ सकती है। आयात-निर्यात प्रभावित हो सकता है ।

प्याज से आंसू थामने के लिए सरकार का बड़ा फैसला, निर्यात को लेकर नया ऐलान

नयी दिल्ली। एजेंसी

पहले टमाटर और अब प्याज की बढ़ती कीमत से सरकार की चिंता बढ़ा दी है। सरकार प्याज के दाम में आ रही तेजी को थामने के लिए ठोस कदम उठाने की योजना पर काम कर रही है। सरकार ने प्याज की बढ़ती कीमत पर ब्रेक लगाने के लिए शनिवार को बड़ा फैसला किया। प्याज के निर्यात को लेकर बड़ा ऐलान किया। सरकार ने घरेलू बाजार में प्याज की उपलब्धता बढ़ाने और कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए शनिवार को इस प्रमुख सब्जी के निर्यात पर 31 दिसंबर तक 800 डॉलर प्रति टन का न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) तय कर दिया। यह फैसला 29 अक्टूबर से प्रभावी होगा।इसके अलावा, सरकार ने बफर स्टॉक के लिए अतिरिक्त 2 लाख टन प्याज की खरीद करने की भी घोषणा की है, जो पहले से खरीदे जा चुके 5 लाख टन से अतिरिक्त होगा। बेंगलुरु रोज़ और कृष्णापुरम प्याज को छोड़कर प्याज की सभी किस्मों के लिए एमईपी मौजूद है। विदेश व्यापार महानिदेशालय ने एक अधिसूचना में कहा, ''विदेश भेजे जाने वाले प्याज का एमईपी 31 दिसंबर, 2023 तक 800 डॉलर प्रति टन किया जाता है।''एक सरकारी बयान में कहा गया है कि इस कदम से घरेलू उपभोक्ताओं के लिए सस्ती कीमतों पर प्याज की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने में मदद मिलेगी क्योंकि रबी 2023 के लिए भंडारित प्याज की मात्रा में गिरावट आ रही है। प्याज के लिए 800 डॉलर प्रति टन एमईपी लगभग 67 रुपये प्रति किलोग्राम के बराबर होता है। अगस्त के दूसरे सप्ताह से देशभर के प्रमुख उपभोग केंद्रों में बफर स्टॉक से प्याज को लगातार निकाला गया है, और एनसीसीएफ और नेफेड द्वारा संचालित मोबाइल वैन के माध्यम से खुदरा उपभोक्ताओं को 25 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से आपूर्ति भी की गई है। बयान में कहा गया है, ''अब तक बफर स्टॉक से लगभग 1.70 लाख टन प्याज का निपटान किया जा चुका है। उपभोक्ताओं के लिए कीमतों को नियंत्रित करने और प्याज किसानों को लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने के लिए बफर स्टॉक से प्याज की निरंतर खरीद और निपटान किया जाता है।'' कम आपूर्ति के कारण राष्ट्रीय राजधानी के खुदरा बाजार में प्याज की कीमतें बढ़कर 65-80 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई हैं। दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में लगभग 400 सफल खुदरा स्टोर वाली मदर डेयरी 67 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से खुला प्याज बेच रही है। वहीं ई-कॉमर्स पोर्टल बिगबास्केट पर यह 67 रुपये प्रति किलो और ओटिपी पर 70 रुपये प्रति किलो की दर पर है। स्थानीय विक्रेता 80 रुपये प्रति किलो की दर से प्याज बेच रहे हैं।

चीन की हालत खस्ता, यूरोप में मंदी की आशंका

लेकिन भारत का बज रहा दुनिया में डंका

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत के लिए आर्थिक मोर्चे पर उत्साहित करने वाली कई खबरें आ रही हैं। अक्टूबर में जीएसटी कलेक्शन ने सरकार की झोली भर दी है। यह अब का दूसरा सबसे बड़ा जीएसटी कलेक्शन है। अक्टूबर में कार कंपनियों की बिक्री में काफी तेजी आई है। इस साल अब तक रेकॉर्ड 149 कंपनियों के आईपीओ आ चुके हैं। आईएमएफ और वर्ल्ड बैंक के मुताबिक भारत इस साल भी दुनिया की सबसे तेज इकॉनमी बना रहेगा। अभी भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी इकॉनमी है और जल्दी ही यह तीसरे नंबर पर पहुंच सकती है। दूसरी ओर चीन की इकॉनमी संघर्ष कर रही है जबकि यूरोप एक बार फिर मंदी के साए में जी रहा है।

चौंका देंगे आंकड़े

आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने दावा किया है कि चालू वित्त वर्ष दूसरी तिमाही के जीडीपी के आंकड़े सभी को चौंका देंगे। उन्होंने कहा की आर्थिक गतिविधियों की गति और कुछ शुरुआती संकेतक इसका इशारा दे रहे हैं। दास ने कहा कि दुनिया में संघर्ष के नए केंद्र उभर रहे हैं जो न केवल भारत के लिए बल्कि पूरी दुनिया के लिए ग्रोथ को लेकर सबसे बड़ा जोखिम पैदा करते हैं। लेकिन ऐसी जोखिम भरी स्थितियों से निपटने के लिए भारत अन्य देशों की तुलना में बेहतर स्थिति में है। उन्होंने कहा कि भारत का लक्ष्य साल 2028 तक वर्ल्ड ग्रोथ में 18% तक योगदान देना है।

जीएसटी कलेक्शन

अक्टूबर में जीएसटी कलेक्शन 13इ बढ़कर 1.72 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। यह जीएसटी कलेक्शन का दूसरा सबसे ऊंचा मासिक आंकड़ा है। पिछले साल अक्टूबर में जीएसटी संग्रह 1.52 लाख करोड़ रुपये रहा था। अप्रैल, 2023 में जीएसटी संग्रह ऑल टाइम हाई 1.87 लाख करोड़ रुपये रहा था जबकि सितंबर में यह 1.63 लाख करोड़ रुपये था। इक्रा की चीफ इकनॉमिस्ट अदिति नायर ने कहा कि अर्थव्यवस्था की

रफ्तार से जीएसटी संग्रह बढ़ा है। अक्टूबर 2023 में साल-दर-साल बढ़ोतरी की गति 10 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई, जो उत्साहजनक है। अनुमान है कि सीजीएसटी संग्रह चालू वित्त वर्ष के बजट अनुमान से थोड़ा अधिक होगा।

कारों की रेकॉर्ड बिक्री

अक्टूबर में कारों की बिक्री रेकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई है। अक्टूबर में कारों की थोक बिक्री सालाना आधार पर 16% बढ़कर 3,91,472 यूनिट पर पहुंच गई, जो पिछले साल के इसी महीने में 3,36,679 यूनिट थी। अक्टूबर में देश की सबसे बड़ी ऑटो कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया और महिंद्रा एंड महिंद्रा ने घरेलू बाजार में अब तक की सबसे अधिक बिक्री दर्ज की। टू वीलर की बात करें तो हीरो मोटोकॉर्प ने अक्टूबर में सालाना आधार पर 26.5% बढ़ोतरी दर्ज करते हुए 5,74,930 वाहन बेचे। होंडा की बिक्री 10%, सुजुकी 14.4% और रॉयल एनफील्ड की अक्टूबर में बिक्री 2.68% बढ़ी।

सबसे ज्यादा आईपीओ

इस साल दुनिया में सबसे ज्यादा आईपीओ भारत में आए हैं। ईवाई की एक स्टडी के मुताबिक सितंबर तक भारत में 149 आईपीओ लिस्ट हो चुके हैं। त्योहारी सीजन में यह आंकड़ा और बढ़ने वाला है क्योंकि इस महीने कई कंपनियों के आईपीओ खुलने वाले हैं। पिछले साल कुल 144 कंपनियों के आईपीओ आए थे। सितंबर तिमाही में 21 कंपनियां आईपीओ लेकर आईं और इनसे 1.7 अरब डॉलर की पूंजी जुटाई गई। पिछली तिमाही में एसएमई सेगमेंट में भी काफी रौनक रही और कुल 48 कंपनियों ने 16.6 करोड़ डॉलर जुटाए।

चीन की हालत

इस बीच दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इकॉनमी चीन की हालत लगातार खस्ता होती जा रही है। रियल एस्टेट संकट के कारण पूरी इकॉनमी के डूबने का खतरा पैदा हो गया है। चीन की इकॉनमी में इस सेक्टर की करीब 30 फीसदी हिस्सेदारी है। सरकार ने इसमें जान फूंकने के लिए हरसंभव कदम उठाए हैं लेकिन अब तक उसे निराशा ही हाथ लगी है। देश के लोग पैसे खर्च करने के बजाय बचाने में लगे हैं जिससे कंज्यूमर स्पेंडिंग में गिरावट आई है। मांग कम होने से इकॉनमिक एक्टिविटीज कम हो गई हैं। इस बीच एक्सपोर्ट में भी गिरावट आई है और बेरोजगारी चरम पर पहुंच गई है। रही-सही कसर अमेरिका के साथ तनाव ने पूरी कर दी है।

यूरोप का हाल

उधर यूरोप में एक बार फिर मंदी की आशंका सिर उठा रही है। यूरोप की सबसे बड़ी इकॉनमी वाले देश जर्मनी की जीडीपी में तीसरी तिमाही में गिरावट आई है। इससे यूरोप की इस साल के अंत में मंदी में फंसने की आशंका जताई जा रही है। जुलाई से सितंबर तिमाही के दौरान यूरो जोन के 20 देशों की जीडीपी में भी 0.1इ की गिरावट आई है। इससे पहले अप्रैल से जून तिमाही में इसमें 0.2इ की तेजी आई थी जबकि 2022 के अंतिम तीन महीनों और इस साल की पहली तिमाही में इसमें कोई बदलाव नहीं हुआ था। यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद यूरोप में तेल की कीमत में भारी तेजी आई है जिससे ग्रोथ बुरी तरह प्रभावित हुई है।

भारत की ओर बढ़ रही मुसीबत, इजरायल-हमास जंग को लेकर वर्ल्ड बैंक की चेतावनी

दुनियाभर पर होगा असर

नई दिल्ली। एजेंसी

इजरायल और हमास के बीच जारी जंग खत्म होने के बजाए और भड़कता जा रहा है। इजरायल ने हमास को खत्म करने की कसम खा ली है। युद्ध में दोनों ओर से हजारों की संख्या में लोग मारे जा रहे हैं। वहीं इस युद्ध का असर अब ग्लोबल इकॉनमी पर दिखने लगा है। अभी इकॉनमी रूस और यूक्रेन युद्ध से ठीक से संभल भी नहीं पाई थी कि इजरायल और हमास की जंग ने उसे फिर से झटका दे दिया। युद्ध को लेकर वर्ल्ड बैंक की चेतावनी ने चिंता को और बढ़ा दिया है। वर्ल्ड बैंक की यह चेतावनी से दुनिया समेत भारत की परेशानी को बढ़ गई है।

बढ़ रही है नई मुसीबत

अपनी चेतावनी ने वर्ल्ड बैंक ने कहा है कि इजरायल-हमास युद्ध अगर और लंबा खिंचता है तो इस जंग का असर ग्लोबल इकॉनमी पर पड़ेगा। वर्ल्ड बैंक के मुताबिक अगर इजरायल और हमास के बीच युद्ध के कारण मिडिल ईस्ट में 50 साल पहले हुए संघर्ष को दोहराया जाता है, तो तेल की कीमतें 150 डॉलर प्रति बैरल से अधिक की रिकॉर्ड ऊंचाई तक पहुंच सकती हैं। इस युद्ध का कमोडिटी सेक्टर पर सबसे ज्यादा असर पड़ेगा। इसके कारण कच्चे तेल की कीमत में बड़ा उछाल देखने को मिल सकता है। तेल की कीमत को लेकर चिंता जाहिर करते हुए वर्ल्ड बैंक ने कहा कि अगर इजरायल-हमास का युद्ध बड़ा रूप लेता है तो कच्चे तेल की आपूर्ति बाधित होगी। प्रतिदिन तेल आपूर्ति में 6 से 8 मिलियन बैरक तक की कमी हो सकती है। आपूर्ति कम होने पर कीमत में बढ़ोतरी होगी। ये बढ़ोतरी 150 से 157 डॉलर प्रति बैरक तक पहुंच सकती है।

भारत पर भी असर

वर्ल्ड बैंक की चेतावनी के मुताबिक अगर युद्ध जारी रहा और कच्चे तेल की कीमत में तेजी आई तो भारत समेत दुनिया के तमाम देशों में महंगाई और बढ़ जाएगी। वर्ल्ड बैंक के अनुमान के मुताबिक जंग के कारण कच्चे तेल की कीमत 150 डॉलर बैरल से ऊपर पहुंच सकती है। ऐसा होने पर एनर्जी और फूड प्रोडक्ट्स की कीमतों में असमान्य उछाल देखने को मिल सकता है। यूक्रेन-रूस युद्ध के बाद वैश्विक अर्थव्यवस्था पर विघटनकारी प्रभाव देखने को मिला था। अब एक बार फिर से वहीं स्थिति बन रही है। तेल की कीमतों में तेजी का मतलब है सीधे खाद्य पदार्थों की कीमत में तगड़ा उछाल । खाद्य मूल्य बढ़ने का मतलब है सीधा आम जनता पर इसका असर होना। चूंकि भारत अपनी जरूरत का अधिकांश हिस्सा आयात करता है, ऐसे में कच्चे तेल की कीमत में असर होने पर भारत की मुश्किल और बढ़ेगी। इजराइल और हमास युद्ध का असर तेल की कीमतों पर दिखने लगा है। बुधवार को क्रूड ऑयल के रेट में लगभग 2 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।

महंगाई की बढ़ेगी मार

इस युद्ध का असर सिर्फ तेल की कीमतों तक सीमित नहीं रहेगा। डायमंड और ज्वैलरी पर भी इस जंग का असर होगा। इजरायल के साथ आयात-निर्यात प्रभावित होने से कई सेक्टर प्रभावित होंगे। फार्मा सेक्टर पर भी असर होगा। फॉमास्युटिकल्स का लीडर कहलाने वाला भारत पश्चिमी एशिया, उत्तरी अफ्रीका और यूरोप के कई देशों को बड़े पैमाने पर दवा का निर्यात करता है। युद्ध के कारण इसमें दिक्कत आ सकती है। इतना ही नहीं इजराइल-हमास युद्ध के कारण भारत के बड़े कारोबारी घराने, जिसका कारोबार इजरायल में फैला है, उन्हें दिक्कत हो सकती है। युद्ध लंबा चला तो की मुश्किलें आम आदमी तक पहुंच जाएगी। बचत, घर या कार के लोन की किस्त, निवेश से लेकर रोजमर्रा की चीजों और मंहगी हो जाएगी। नौकरियों पर असर होगा।

भारत में कौशल की कमी दूर करने के लिए

16.2 मिलियन कर्मचारियों को एआई और ऑटोमेशन में अपस्किल की ज़रूरत

सर्विसनाऊ के नए शोध में सामने आई यह बात

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

सर्विसनाऊ के नए शोध में पता चला है कि अगले 5 साल में मध्य प्रदेश में 2,08,800 गैर-तकनीकी नौकरियां एआई और ऑटोमेशन के द्वारा बदल जाएंगी। मध्य प्रदेश में पुलिस सेवा उद्योग में 1,71,900 प्रोफेशनल्स को अगले 5 सालों में प्रासंगिक बने रहने के लिए खुद को अपस्किल करने की जरूरत होगी भारत में एआई और ऑटोमेशन के लिए 16.2 मिलियन कर्मचारियों को रिस्किल और अपस्किल करने की ज़रूरत होगी और इससे 4.7 मिलियन नई तकनीकी नौकरियों का सृजन भी होगा। सर्विसनाऊ और पियर्सन ने आज अपने नए शोध के आधार पर यह घोषणा की। सर्विसनाऊ द्वारा कमीशंड और पियर्सन द्वारा संचालित इस शोध का उद्देश्य मशीन लर्निंग का प्रयोग करके यह अनुमान लगाना था कि टेक्नोलॉजी किस प्रकार प्रत्येक नौकरीङ के कार्यों को बदल देगी। शोध में भारतीय कर्मचारियों के लिए अपने कॅरियर को नया आकार देने और भविष्य के लिए इसे सुरक्षित बनाने के लिए अभूतपूर्व संभावना प्रस्तुत की गई है।

भारत में उन नौकरियों की पदस्थापना में, जिनमें सर्विसनाऊ प्लैटफॉर्म तकनीकी कौशल की ज़रूरत है, पिछले साल 39% की वृद्धि हुई। लाइटकास्ट के श्रम बाज़ार के आँकड़ों के अनुसार यह पूरे विश्व में सबसे तेज वृद्धि दर है जहाँ पूरे विश्व के किसी भी शहर की अपेक्षा बैंगलोर में टैलेंट के लिए सबसे ज्यादा माँग देखी गई। भारत का डिजिटल स्किल इकोसिस्टम भी इसके साथ वृद्धि करने को तैयार है। सर्विसनाऊ के भारतीय उपमहाद्वीप के लिए वाइस प्रेसिडेंट और प्रबंध निदेशक, कमोलिका गुप्ता पेरेस ने कहा कि, 'भारत के निर्णय-निर्माता और उद्योग के दिग्गज एआई की शक्ति को समझते हैं। हम व्यवसाय में सार्थक बदलाव के लिए एआई की प्रयोग की सर्वश्रेष्ठ पद्धतियां प्रदर्शित करने के लिए पूरे देश में हर एक उद्योग के साथ काम कर रहे हैं। हम इन बदलावों से लोगों के लिए सार्थक, गुणवत्तापूर्ण और सुरक्षित कॅरियर प्राप्त करने के साथ-साथ बेहतर उत्पादकता सुनिश्चित करने पर भी ध्यान दे रहे हैं।'

क्या उल्लू की मूर्ति घर, ऑफिस में रखना होता है शुभ? जानिए क्या कहता है वास्तु शास्त्र

अक्सर लोग अपने घर का निर्माण वास्तु शास्त्र के अनुसार करवाते है। साथ ही घर से जुड़ी सभी चीजों का रखरखाव भी वास्तु के अनुसार करते हैं। वास्तु शास्त्र में घर में कुछ चीजों को रखना बेहद शुभ माना जाता है तो कुछ चीजों को अशुभ भी माना गया है।

डॉ. संतोष वाधवानी
रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ, अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन प्रदेश प्रवक्ता

आमतौर पर कुछ लोग ऐसी वस्तु की खरीदारी कर लेते हैं, जिनको घर में रखना अशुभ हो सकता है। इन बातों की जानकारी न होने के कारण इस प्रकार की गलतियां हो जाती हैं। वहीं कुछ लोगों को उल्लू को लेकर मन में भय बना रहता है। उल्लू की मूर्ति या तस्वीर घर में रखना शुभ है या नहीं, ये सवाल सभी मन में बना रहता है। लेकिन क्या आप जानते है हिंदू धर्म में उल्लू को शुभ माना गया है। यह मां लक्ष्मी की सवारी है। कहा जाता है कि उल्लू की फोटो और मूर्तियों को रखने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं। साथ ही उनकी कृपा बनी रहती है। हालांकि, यह तभी संभव है जब इसे वास्तु शास्त्र के नियमानुसार रखा जाए। इसी कड़ी में आइए जानते हैं कि घर या ऑफिस में उल्लू रखने के वास्तु नियम क्या है।

घर पर उल्लू रखने के नियम

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में उल्लू की फोटो या मूर्ति रखने के लिए पूजा घर या स्टडी रूम उचित स्थान है। यहां पर उल्लू की तस्वीर लगाने से घर में सकारात्मकता का अनुभव होगा। साथ ही घर से बुरी नजर का साया दूर रहेगा। उल्लू की तस्वीर लगाने से घर में खुशहाली व सुख-समृद्धि आती है।

आप चाहें तो उल्लू को ऐसी जगह भी रख सकते हैं जहां से उल्लू की नजर घर के कोने कोने पर पड़ सके। अगर उल्लू की नजर दरवाजे की ओर हो, तो यह और शुभ हो सकता है।

ऑफिस में उल्लू रखने के नियम

उल्लू को ऑफिस में रखना शुभ माना जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, ऑफिस में उल्लू की मूर्ति रखने से मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है। साथ ही इससे कार्यक्षेत्र में पॉजिटिव एनर्जी का संचार बढ़ता है।

वास्तु के अनुसार, ऑफिस में उल्लू को व्यवसाय से जुड़ी चीजों के पास रखें। आप चाहें तो उल्लू की फोटो या मूर्ति को अपने काउंटर के पास रख सकते हैं।

इस बात का ध्यान रखें कि, ऑफिस में उल्लू को हमेशा अपने दाहिने ओर ही रखें। ऐसा करने से आपके कार्य में आने वाली सभी बाधाएं दूर होगी। साथ ही आर्थिक विकास होगा।

दशहरे से दीपावली के बीच ऐसे स्वप्न दिखे तो जल्द मिल सकती है कोई खुशखबरी

डॉ. आर.डी. आचार्य
9009369396
ज्योतिष एवं वास्तु विशेषज्ञ
इंदौर (म.प्र.)

हिंदू ज्योतिष शास्त्र में अंक गणित, हस्त रेखा के साथ-साथ स्वप्न ज्योतिष का भी विशेष महत्व है। स्वप्न शास्त्र के मुताबिक, सपनों के जरिए भी हमें भविष्य के संकेत दिखाई देते हैं। ऐसे में दशहरे से लेकर दीपावली के बीच में यदि दिखाई देने वाले सपनों का भी विशेष अर्थ होता है। स्वप्न शास्त्र के एक्सपर्ट चैतन्य मलतारे यहां हमें स्वप्न के अर्थ के बारे में विस्तार से जानकारी दे रहे हैं।

हिंदू धर्म का सबसे बड़ा त्योहार दीपावली

सनातन धर्म में दीपावली ही सबसे बड़ा त्योहार है। हर साल 5 दिनों तक चलने वाला ये त्योहार धनतेरस से शुरू होकर भाई दूज पर खत्म होता है। बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक के रूप में मनाए जाने वाले त्योहार दशहरे से लेकर दीपावली के बीच कुछ सपने दिखाई देते हैं तो इसे शुभ संकेत माना जाता है।

माता लक्ष्मी का दिखना

स्वप्न शास्त्र के अनुसार, यदि दीपावली के दिन सपने में माता लक्ष्मी दिखाई दें तो इसे काफी शुभ संकेत माना जाता है। इसका मतलब है कि जल्द ही आपकी किस्मत में बड़ा उलटफेर होने वाला है। मां लक्ष्मी की कृपा से घर से दरिद्रता का नाश होगा। घर में संपन्नता आएगी। व्यापार या नौकरी में अच्छा आर्थिक लाभ हो सकता है। देवी उठते ही स्नान के बाद देवी लक्ष्मी की आराधना करना चाहिए। लक्ष्मी जी को प्रसन्न करने के लिए मंत्र पाठ करना चाहिए।

सपने में दिखे पूजा का कलश

सपने में यदि देवी लक्ष्मी की पूजा अर्चना के दौरान रखा जाने वाला पूजा का कलश दिखाई दे तो इसे भी शुभ माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि देवी लक्ष्मी की कृपा परिवार पर जल्द ही बरसने वाली है। आप किसी बड़ी मुसीबत से जल्द ही उभरने वाले हैं। सेहत को भी लाभ हो सकता है।

सपने में दिखे कमल के खिला हुआ फूल

दशहरे से दीपावली के बीच में यदि रात में सोते समय सपने में खिला हुआ कमल का फूल दिखाई दे तो इसे एक शुभ संकेत माना जाता है। कमल का फूल मां लक्ष्मी का बहुत प्रिय होता है। सपने में कमल का फूल दिखाई दें तो इसका मतलब है कि दिवाली का पर्व आपके लिए बरकत लेकर आएगा।

करवा चौथ पर बन रहा है ये शुभ योग, इस शुभ मुहूर्त में करें पूजा

पं. राजेश वैष्णव
शनि उपासक ज्योतिष रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ
98272 88490

हिंदू धर्म में करवा चौथ का विशेष महत्व होता है यह व्रत कार्तिक माह में कृष्ण पक्ष के चतुर्थी तिथि के दिन रखा जाता है। इस दिन सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी आयु के लिए व्रत रखती है वही कुंवारी लड़कियां अच्छा पति पाने के लिए व्रत रखती हैं। यह व्रत बहुत कठिन माना जाता है क्योंकि इस दिन सुहागन महिलाएं पूरे दिन निर्जला व्रत रखती हैं। करवा चौथ के दिन महिलाओं को चांद का बेसब्री से इंतजार होता है। इस दिन महिलाएं 16 श्रृंगार करके व्रत रखकर करवा माता की पूजा अर्चना करती हैं। ऐसा करने से अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होती है। चांद को अर्घ्य देने के बाद अपने पति के हाथों से पानी पीकर महिलाएं व्रत खोलती हैं।

करवा चौथ 2023 का शुभ योग

इस साल करवा चौथ के दिन सर्वार्थ सिद्धि और शिव योग बन रहा है। सर्वार्थ सिद्धि योग का निर्माण 1 नवंबर सुबह 6:33 से 2 नवंबर की सुबह 4:36 तक रहेगा। ऐसा माना जाता है कि इन शुभ योग में पूजा पाठ करने से जातक की सारी मनोकामना शीघ्र पूरी हो जाती है।

करवा चौथ 2023 की तिथि और मुहूर्त

कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि 31 अक्टूबर रात 9:32 से शुरू हो जाएगी। कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि 1 नवंबर रात 9:21 को समाप्त हो जाएगी। करवा चौथ का शुभ मुहूर्त 1 नवंबर की शाम 5:36 से शाम 7:32 तक रहेगा। वहीं चंद्रोदय का समय 1 नवंबर की रात 8:25 का रहेगा।

कार्तिक मास में जरूर करें दीपदान, होगी अनंत पुण्य की प्राप्ति, मिलेगा भगवान विष्णु का विशेष आशीर्वाद

आचार्य पं. संजय वर्मा
9826380407
ज्योतिषाचार्य एवं वास्तु विशेषज्ञ, इंदौर (म.प्र.)

हिंदू सनातन धर्म में कार्तिक माह को सबसे पवित्र और शुभ माना गया हैं। कार्तिक माह को अत्यंत शुभ और कल्याणकारी बताया गया हैं। जिसमें स्नान, दान, और पूजन कीर्तन का काफी विशेष महत्व बताया गया हैं। इस माह में तुलसी पूजन का भी अत्यंत महत्वपूर्ण बताया गया है, क्योंकि हिंदू मान्यता है कि तुलसी धार्मिक नजरिए से धन की देवी मां लक्ष्मी तुलसी के पौधे में ही निवास करती है। कार्तिक पूर्णिमा के दिन, विधि विधान के साथ मां तुलसी की पूजा करने से देवी लक्ष्मी समेत भगवान नारायण भी अत्यंत ही प्रसन्न होते हैं। हिंदू पौराणिक मान्यताओं में कार्तिक महीने का खास महत्व बताया गया है, जिसे भगवान विष्णु श्री हरि विष्णु के त्याग के रूप में माना जाता है। इस महीने अनेकों त्यौहार और उपवास भी रखें और मनाए जाते हैं। यहां तुलसी पूजा का बेहद खास महत्व बताया गया है, क्योंकि हिंदू मान्यता है कि भगवान नारायण भी मां तुलसी के हृदय में शालिग्राम के स्वरूप में वास करते हैं। इस वजह से भगवान श्री हरि नारायण पर तुलसी की पूजा करने का विशेष प्रभाव पड़ता हैं और दीपदान का भी अलग लाभ बताया गया है।

इस दिन करें यह खास और सिद्ध उपाय

यहां कार्तिक महीने में धार्मिक अनुष्ठानों के लिए ब्रह्म मुहूर्त में प्रातः जल्दी उठकर अनुष्ठान और पूजा करना अति आवश्यक माना जाता है। इस माह में भगवान आदित्य और माता तुलसी को जल अर्पित करने का खास और सिद्ध कारण बताया गया है। तुलसी पूजन के वक्त, तुलसी के पौधों की श्रद्धा और लगन समेत पूजा आराधना करना चाहिए। जिसमें शालिग्राम और दक्षिणावर्ती शंख भी मौजूद होते हैं। उन्हें नियमों के अनुसार जल देना, देसी घृत तिल के तेल से दीपक को प्रज्वलित करना चाहिए, जहाँ इसके बाद तुलसी माता की परिक्रमा लगानी चाहिए। साथ ही ऐसा मान्यता है कि भगवान नारायण तुलसी के दिल में शालिग्राम के रूप में वास करते हैं। इस कारण से भगवान श्री नारायण पर तुलसी पूजा का अत्यंत खास महत्व बताया गया है। यहां कार्तिक के महीने में, तुलसी के पत्ते को खाने से आपकी सेहत को लाभ पहुंचाता है। साथ ही तुलसी की माला को गले में पहनना चाहिए, इधर तुलसी की मृदा का टीका शीश पर लगाना, और तुलसी के वृक्ष को घर में लगाना भी शुभ होता है। इसी के साथ कार्तिक मास में तुलसी की विशेष पूजा करने और तुलसी के पौधें को बढ़ावा देने से घर में धर्म, अर्थ, काम, और मोक्ष मिलता है, और इससे अनंत पुण्य की प्राप्ति होती है।

बढ़ने वाला है आपके मोबाइल का बिल!

नई दिल्ली। एजेंसी

टेलिकॉम कंपनियां एक बार फिर आपके मोबाइल का बिल बढ़ाने की फिराक में हैं। देश की दो बड़ी टेलिकॉम कंपनियां एयरटेल (Airtel) और वोडा आइडिया (Voda Idea) एवरेज रेवेन्यू पर यूजर को बढ़ाने के लिए टैरिफ में बढ़ोतरी करना चाहती हैं लेकिन देश की सबसे बड़ी टेलिकॉम ऑपरेटर रिलायंस जियो इसके पक्ष में नहीं है। जियो का कहना है कि वह टैरिफ में बढ़ोतरी नहीं करेगी। कंपनी का कहना है कि वह 5जी कस्टमर्स के लिए भी टैरिफ बढ़ाने के पक्ष में नहीं है। कंपनी की नजर एयरटेल, वोडाफोन आइडिया और बीएसएनएल/एमटीएनल के उन 24 करोड़ ग्राहकों पर है जो अब भी 2जी नेटवर्क का इस्तेमाल कर रहे हैं। रिलायंस जियो के प्रेजिडेंट मैथ्यू ऊमन ने कहा कि कंपनी की योजना टैरिफ में बड़ा बदलाव करने की नहीं है। कंपनी का फोकस ऐसे ग्राहकों पर है जो डेटा प्लान की तरफ आना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी और रिलायंस जियो के चेयरमैन आकाश अंबानी का यही विजन है। उन्होंने कहा कि 20 करोड़ से अधिक कस्टमर अब भी 2जी का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्हें डिजिटली सशक्त बनाने की जिम्मेदारी इंडस्ट्री की है। देश को 2जी-मुक्त बनाने का एकमात्र तरीका यही है कि सस्ते में सेवा दी जाए।

एआरपीयू क्या है

ऊमन ने कहा कि सभी भारतीयों की डेटा तक पहुंच होनी चाहिए। हम उन्हें इससे वंचित नहीं रख सकते हैं। हम सभी भारतीयों को सुपीरियर कस्टमर एक्सपीरियंस देना चाहते हैं। एवरेज रेवेन्यू पर यूजर को किसी भी टेलिकॉम कंपनी की फाइनेंशियल हेल्थ का अहम पैमाना माना जाता है। दूसरी तिमाही में जियो का एआरपीयू 181.7 रुपये पहुंच गया जो पिछले साल की समान तिमाही में 177.2 रुपये था और पिछली तिमाही में 180.5 रुपये था। एयरटेल और वोडाफोन आइडिया ने टैरिफ बढ़ाने की वकालत की है। उनका कहना है कि कैपेक्स बढ़ाने के लिए ऐसा करना जरूरी है।

भारती एयरटेल के सीईओ गोपाल विट्टल ने कहा, 'हम इंडस्ट्री के लिए ग्रेटर फाइनेंशियल हेल्थ चाहते हैं क्योंकि इसमें बहुत पूंजी खर्च हो रही है। इसलिए एआरपीयू में बढ़ोतरी जरूरी है।' उनका कहना है कि एआरपीयू 300 रुपये तक होना चाहिए। पहली तिमाही के अंत में एयरटेल का एआरपीयू 200 रुपये था जो इंडस्ट्री में सबसे ज्यादा है। वहीं भारी कर्ज में डूबी वोडाफोन आइडिया का दूसरी तिमाही में एआरपीयू मात्र 142 रुपये था। इससे साफ है कि वोडाफोन आइडिया को खुद को रेस में बनाए रखने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ रहा है। हम इंडस्ट्री के लिए ग्रेटर फाइनेंशियल हेल्थ चाहते हैं क्योंकि इसमें बहुत पूंजी खर्च हो रही है। इसलिए एआरपीयू में बढ़ोतरी जरूरी है।

गोपाल विट्टल, सीईओ, भारती एयरटेल

स्पेक्ट्रम पर मतभेद

स्पेक्ट्रम आवंटन के मामले पर भी टेलिकॉम कंपनियों के बीच एक राय नहीं है। रिलायंस जियो ने सैटेलाइट स्पेक्ट्रम की नीलामी की वकालत की है जबकि एयरटेल और वोडाफोन आइडिया एडमिनिस्ट्रेटिव अलॉकेशन की मांग कर रही हैं। जियो ने देश में एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक की एंट्री का भी स्वागत गिया है। दुनिया के सबसे बड़े रईस मस्क की कंपनी स्टारलिंक भारत में सैटेलाइट बेस्ड इंटरनेट सर्विसेज देना चाहती है। लेकिन उसे अब तक सरकार की तरफ से हरी झंडी नहीं मिली है।

कोलगेट-पामोलिव भारत में ओरल केयर के मानक बढ़ाने में

सबसे आगे; 'मीठा सच' (स्वीट ट्रुथ) साझा किया

रात में दाँत साफ करने की सेहतमंद आदत को प्रोत्साहित करने का मिशन शुरू किया

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

कोलगेट-पामोलिव भारत में ओरल केयर के क्षेत्र में अग्रणी कंपनी है। उनका कोलगेट ब्राइट स्माइल्स, ब्राइट फ्यूचर्सरु कार्यक्रम देश में 171 मिलियन से ज़्यादा बच्चों को ओरल केयर की स्वस्थ आदतों का विकास करने के लिए प्रोत्साहित कर चुका है। इसी उद्देश्य के अनुरूप, कोलगेट अपने मिशन द्वारा अब रात में दाँत साफ करने की सेहतमंद आदत को बढ़ावा दे रहा है। भारत में हर 10 में से 9 लोगों को कैविटी है, जिससे ओरल केयर की दिनचर्या बनाए रखने की आपात ज़रूरत प्रदर्शित होती है। वैज्ञानिक प्रमाण प्रदर्शित करते हैं कि सुबह के अलावा रात में भी दाँतों को ब्रश करने से दाँत स्वस्थ बने रहते हैं। इस साधारण आदत की मदद से कैविटी होने की सम्भावना 50ङ्ग से घट जाती है। कोलगेट-पामोलिव ने देश में ओरल स्वास्थ्य में सुधार लाने के लिए रात में ब्रश करने के महत्व का प्रसार करने का दायित्व संभाला है।

कोलगेट-पामोलिव इंडिया की एमडी एवं सीईओ, प्रभा नरसिम्हन ने कहा, 'मार्केट लीडर के रूप में भारतीयों को ओरल केयर की स्वस्थ आदतों का विकास करने का प्रोत्साहन देना हमारा कर्तव्य भी है, और दायित्व भी। ओरल स्वास्थ्य की ओर हमारी प्रतिबद्धता जीवन के हर पहलुओं तक विस्तृत है। मैं रात में ब्रश करने के अत्यधिक महत्व पर बल देती हूँ। त्योहारों के मौसम में तो यह और भी ज़्यादा ज़रूरी हो जाता है। इस समय हम अपने प्रियजनों के साथ मिलकर जश्न मनाते हैं, तो इस बार चलिए मिलकर एक बेहतर ओरल स्वास्थ्य की ओर भी बढ़ें। रात में मिठाईयाँ खाने के बाद ब्रश करने की आदत विकसित करके हम न केवल अपनी स्माइल की रक्षा कर सकते हैं, बल्कि यह भी सुनिश्चित कर सकते हैं कि त्योहारों का माहौल आनंदपूर्ण रहे और उसमें दाँतों की कोई समस्या न हो। हम सोने से पहले ब्रश करने के वैज्ञानिक महत्व पर बल देकर अपने देश में दाँतों के स्वास्थ्य के मानक बढ़ाने में मुख्य भूमिका निभाना चाहते हैं।'

फिल्म के बारे में: इस फिल्म में सोने से पहले ब्रश न करने की आदत पर रोशनी डाली गई है। इस आदत के कारण दाँतों में कैविटी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इस फ़िल्म में विभिन्न पृष्ठभूमियों लोग दिखाए गए हैं, जो मज़ेदार ढंग से मिठाइयों से अपने दाँत 'ब्रश' कर रहे हैं। आखिरी शॉट में एक महत्वपूर्ण संदेश दिया गया है, जो हर किसी को ङ्क्ष्ल्ऊदहग्ष्ु की आदत अपनाने की प्रेरणा दे रहा है। यह फिल्म देश में 'दाँतों के स्वास्थ्य' में सुधार लाने के लिए रिलीज़ की गई है।

हीरो मोटोकॉर्प ने भारत में अपनी पहली अत्याधुनिक प्रीमियम डीलरशिप का उद्घाटन किया

कालीकट में हुआ 'हीरो प्रीमिया' का शुभारंभ

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

मोटरसाइकिल और स्कूटर बनाने वाली दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी हीरो मोटोकॉर्प ने आज केरल के शहर कालीकट में अपनी पहली प्रीमियम डीलरशिप 'हीरो प्रीमिया' का उद्घाटन किया। इस डीलरशिप की मदद से ग्राहकों को प्रीमियम अनुभव देने के नए युग की शुरुआत होगी। कालीकट के ऑटो हब में स्थित, हीरो प्रीमिया अपने समझदार ग्राहकों को बिक्री और सर्विस का शानदार प्रीमियम अनुभव प्रदान करेगी।

सभी आगंतुकों को एक नया ऑटोमोटिव अनुभव देते हुए, हीरो प्रीमिया में आधुनिक वास्तुकला, आकर्षक डिजाइन और नए जमाने की आकर्षक डिजिटल तकनीकें मौजूद हैं। पेशेवर रूप से प्रशिक्षित बिक्री सलाहकारों की एक टीम स्वामित्व का बेहतरीन प्रीमियम अनुभव प्रदान करते हुए ग्राहकों को उनकी मोबिलिटी से जुड़ी जरूरतों के मुताबिक व्यक्तिगत बिक्री सुझाव देगी।

हीरो प्रीमिया हीरो मोटोकॉर्प के प्रीमियम उत्पादों की श्रृंखला प्रदर्शित करेगा, जिसमें नई लॉन्च की गई फ्लैगशिप मोटरसाइकिल करिज?मा एक्सएमआर भी शामिल है। शहरी यात्रियों के लिए एक कुशल और पर्यावरण के अनुकूल विकल्प प्रदान करते हुए, हीरो प्रीमिया इलेक्ट्रिक मोबिलिटी समाधानों की बढ़ती आवश्यकता को पूरा करते हुए वीडा वी1 स्कूटर भी प्रदर्शित करेगा। ग्राहक हीरो मोटोकॉर्प की पहली को-डेवलप्ड मोटरसाइकिल हार्ले-डेविडसन एक्स440 का अनुभव भी कर सकते हैं।

इस अवसर पर अपनी बात रखते हुए हीरो मोटोकॉर्प की भारत बिजनेस यूनिट के चीफ बिजनेस ऑफीसर रंजीवजीत सिंह ने कहा, 'भारत में अपनी पहली प्रीमियम डीलरशिप के शुभारंभ के साथ हम न केवल अपनी अलग-अलग मोटरसाइकिलों और स्कूटरों के मॉडल्स का प्रदर्शन कर रहे हैं, बल्कि हम आवागमन के साधनों के भविष्य का प्रदर्शन कर रहे हैं, जो प्रीमियम, नवीन और स्?थायी है। वित्त वर्ष 24 में हमारी कंपनी पूरे भारत में अपने प्रीमियम रिटेल अनुभव को मजबूत करने का काम करेगी।'

ओप्पो इंडिया की सेंड-इन रिपेयर सेवा का विस्तार 25,000 पिन कोड्स तक हुआ

रिपेयर के लिए 24 घंटे के टर्नअराउंड टाइम (टीएटी) की घोषणा की

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

ओप्पो इंडिया ने अपने सर्विस सेंटर 3.0 के साथ आफ्टर-सेल्स सेवा के क्षेत्र में क्रांति ला दी है। ओपो की पिक-अप और ड्रॉप सेवा के साथ सर्विस सेंटर 3.0 भारत में 25,000 पिन कोड्स तक पहुँच चुका है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत ओप्पो ने सॉफ्टवेयर समस्याओं, स्क्रीन और बैटरी के रिप्लेसमेंट, स्पीकर डैमेज और टचस्क्रीन खराब होने सहित स्मार्टफ़ोन रिपेयर के 80% मामलों के लिए त्वरित 24-घंटे टीएटी (टर्नअराउंड टाइम) की गारंटी देने के लिए अपनी कार्यक्षमता को मज़बूत किया है। पिछले साल शुरू की गई ओप्पो की कस्टमर सर्विस 3.0 सेवा पहले से ही ग्राहकों को खास़ डिवाइसेज़ के लिए एक घंटे में ऑनसाइट रिपेयरिंग, नए उत्पादों का प्रदर्शन, मुफ्त पिक-अप एवं ड्रॉप और रिपेयर के लिए डेबिट/क्रेडिट कार्ड द्वारा बैंक ईएमआई के विकल्प जैसे कई फ़ायदे प्रदान करती है। ग्राहक ओप्पो के तकनीशियनों को अपनी आँखों के सामने डिवाइस ठीक करते हुए देख सकते हैं, इसलिए ओप्पो इंडिया की इस सेवा द्वारा पारदर्शी और रियल-टाइम में रिपेयरिंग की सुविधा मिलती है।

ग्राहक ओप्पो इंडिया की वेबसाइट पर जाकर 24 घंटे में सेंड-इन रिपेयर सेवा का लाभ लेने के लिए सेंड-इन रिपेयर फॉर्म जमा करके अपने स्मार्टफोन के लिए मुफ्त पिक-अप और ड्रॉप की सेवा प्राप्त कर सकते हैं; इस फॉर्म में उन्हें पिक-अप के पते के साथ डिवाइस का ष्ईंद नंबर और अपना पंजीकृत मोबाइल नंबर डालना होता है। यह डिवाइस सर्विस सेंटर में पहुँचते ही ओप्पो इंडिया का 24 घंटे में रिपेयर का टर्न अराउंड टाइम (टीएटी) शुरू हो जाता है। रिपेयर के अपडेट्स लगातार ग्राहकों को एसएमएस और व्हाट्सएप के माध्यम से मिलते रहते हैं। यदि रिपेयर होने वाली डिवाइस किसी दूर-दराज के इलाक़े से आई है, तो पिक-अप से लेकर रिपेयर और डिलीवरी तक की प्रक्रिया 5 से 7 दिनों में पूरी हो जाती है। ओप्पो इंडिया के ग्राहक ट्विटर या फेसबुक पर @OPPOCareIN से संपर्क करके भी सेंड-इन रिपेयर सेवा का लाभ उठा सकते हैं। सर्विस सेंटर के विस्तार के बारे में ओप्पो इंडिया के सीएमओ, दमयंत सिंह खनोरिया ने कहा, 'हमारा हर काम ग्राहक पर केंद्रित होता है। देश में 25,000 पिन कोड्स तक हमारी स्मार्टफोन रिपेयर पिक-अप एवं ड्रॉप सेवा का विस्तार देश के कोने-कोने में सुगम ग्राहक सेवा प्रदान करने की ओप्पो की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। हम अपने उपयोगकर्ताओं की सुविधा और संतुष्टि का दायरा बढ़ा रहे हैं, ताकि ओप्पो के ग्राहक जहाँ कहीं भी हों, उन्हें ओप्पो का अनुभव आसानी से मिले।'

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक और फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक ने की मर्जर कि घोषणा

मुंबई। आईपीटी नेटवर्क

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड (AU SFB) के निदेशक मंडल और फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड के निदेशक मंडल ने कल 29 अक्टूबर को आयोजित अपनी-अपनी बैठकों में एयू एसएफबी और फिनकेयर एसएफबी के आल स्टॉक मर्जर को मंजूरी दे दी है। बैंकिंग रेगुलेशन एक्ट, 1949 की धारा 44ए के तहत विलय की योजना एयू एसएफबी और फिनकेयर एसएफबी के शेयरधारको, बैंकिंग रेगुलेशन एक्ट के तहत भारतीय रिजर्व बैंक और भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग के अनुमोदन के अधीन है। जरूरी अप्रूवल मिलने पर फिनकेयर एसएफबी का एयू एसएफबी में विलय हो जाएगा और फिनकेयर एसएफबी के शेयरधारकों को अनुमोदित शेयर स्वैप रेश्यो पर फिनकेयर एसएफबी में उनके शेयरों के बदले एयू एसएफबी के शेयर मिलेंगे। फिनकेयर एसएफबी के सभी कर्मचारी एयू एसएफबी फैमिली का हिस्सा बन जाएंगे।

विलय की शर्तें

एयू एसएफबी और फिनकेयर एसएफबी के बोर्ड ने एक-दूसरे के बिजनेस ऑपरेशन के प्रमुख पहलुओं के उचित परिश्रम के परिणामों पर विचार किया। शर्तों के अनुसार, फिनकेयर एसएफबी के प्रमोटर फिनकेयर बिजनेस सर्विसेज लिमिटेड (FBSL), विलय के पूरा होने से पहले फिनकेयर एसएफबी में 700 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। एयू एसएफबी और फिनकेयर एसएफबी द्वारा नियुक्त इंडीपेंडेंट वैल्युअर्स यानी मूल्यांकनकर्ताओं, बंसी एस मेहता वैल्यूअर्स एलएलपी और आरबीएसए वैल्यूएशन एडवाइजर्स एलएलपी ने शेयर एक्सचेंज रेश्यो की सिफारिश की है, जिसे संबंधित बोर्ड ने स्वीकार कर लिया है। जेएम फाइनेंशियल लिमिटेड ने शेयर एक्सचेंज रेश्यो पर एयू एसएफबी को निष्पक्षता राय प्रदान की और आईआईएफएल सिक्योरिटीज लिमिटेड ने फिनकेयर एसएफबी को निष्पक्ष राय प्रदान की। इसके अनुसार, फिनकेयर एसएफबी शेयरधारकों को फिनकेयर एसएफबी के 2,000 शेयरों के लिए एयू एसएफबी में 579 शेयर प्राप्त होंगे। विलय के बाद, फिनकेयर एसएफबी के मौजूदा शेयरधारकों की एयू एसएफबी में 9.9% हिस्सेदारी होगी। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज लिमिटेड और अर्पवुड कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड (Arpwood Capital Pvt Ltd) ने लेनदेन पर फिनकेयर एसएफबी के वित्तीय सलाहकार के रूप में काम किया और एम्बिट प्राइवेट लिमिटेड और मिरे एसेट कैपिटल मार्केट्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड ने एयू एसएफबी के वित्तीय सलाहकार के रूप में काम किया। एजेडबी एंड पार्टनर्स ने एयू एसएफबी के कानूनी सलाहकार के रूप में काम किया और एनाग्राम पार्टनर्स ने फिनकेयर एसएफबी के कानूनी सलाहकार के रूप में काम किया। केपीएमजी और पीडब्ल्यूसी ने क्रमशः एयू एसएफबी और फिनकेयर एसएफबी के लिए डिलिजेंस एडवाइजर यानी परिश्रम सलाहकार के रूप में काम किया।

फिनकेयर एसएफबी के एमडी और सीईओ राजीव यादव को विलय के बाद एयू एसएफबी का डिप्टी सीईओ नियुक्त किया जाएगा। वह एयू एसएफबी के एमडी और सीईओ संजय अग्रवाल को रिपोर्ट करेंगे। यादव एयू एसएफबी की फिनकेयर इकाई का नेतृत्व करना जारी रखेंगे, जिसमें फिनकेयर एसएफबी के अधिकांश बिजनेस होंगे। इसके अलावा, वह विलय के बाद आईटी इंटीग्रेशन सुनिश्चित करने के लिए एयू एसएफबी के एमडी और सीईओ के साथ संयुक्त रूप से एयू एसएफबी की आईटी और डिजिटल इकाई का नेतृत्व करेंगे। अपनी नई भूमिका में, यादव एयू एसएफबी की बोर्ड बैठकों में आमंत्रित सदस्य होंगे। फिनकेयर एसएफबी के बोर्ड में नॉमिनी डायरेक्टर यानी नामांकित निदेशक दिव्या सहगल, विलय के बाद स्मूथ इंटीग्रेशन और निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए एयू एसएफबी के बोर्ड में शामिल होंगी। वर्तमान में एयू एसएफबी के कार्यकारी निदेशक उत्तम टिबरेवाल को मर्ज की गई इकाई में एयू एसएफबी के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर और डिप्टी सीईओ के रूप में पदोन्नत किया जाएगा।

रीसाइकल्ड फाइबर उत्पादन के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

सैक्ससेल और बिड़ला सेलूलोज़ ने सर्कुलरिटी में तेजी लाने के लिए

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

टेक्सटाइल रीसाइक्लिंग इनोवेटर सैक्ससेल ने मैन मेड सेल्यूलोसिक फाइबर के दुनिया के सबसे बड़े निर्माताओं में से एक, आदित्य बिड़ला समूह के बिड़ला सेलूलोज़ के साथ एक मेमोरेंडम ऑफ़ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह एमओयू रीसाइकल्ड मैन मेड सेल्युलोसिक फाइबर के उत्पादन के लिए दोनों कंपनियों के बीच सहयोग के विस्तार का मार्ग मजबूत करता है। सैक्ससेल की टेक्सटाइल वेस्ट पल्पिंग तकनीक को बिड़ला की एडवांस वेट स्पिनिंग की विशेषज्ञता के साथ मिलाकर उच्च गुणवत्ता वाले सस्टेनेबल 'सैएक्ससेल' रीसाइकल्ड फाइबर द्वारा बनाया जाता है जो वाणिज्यिक स्तर पर ग्राहकों की सर्कुलर टेक्सटाइल आवश्यकताओं को पूरा करता है।

इस पर टिप्पणी करते हुए, सैक्ससेल के सीईओ श्री एरिक वैन डेर वेर्ड ने कहा कि यह सहयोग पार्टनरशिप और आपसी प्रतिबद्धता के आधार पर एक मजबूत सर्कुलर टेक्सटाइल सप्लाई चैन स्थापित करने के सैक्ससेल के दृष्टिकोण में एकदम सटीक बैठता है। वे कहते हैं, ''टेक्सटाइल इंडस्ट्री की आज की सामाजिक और पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए वैश्विक सहयोग जरूरी है। हमें जल्द से जल्द लाइनर से बदल कर सर्कुलर इकॉनमी में आने की जरूरत है। सैक्ससेल और बिड़ला की संयुक्त इनोवेशन पॉवर और प्रोडक्शन पॉवर वास्तविक प्रभाव पैदा करने का एक शानदार अवसर देती है।'

सर्कुलरिटी और सस्टेनेबल के इस केंद्रित सहयोग पर टिप्पणी करते हुए आदित्य बिड़ला समूह और बिड़ला सेलूलोज़ के चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर डॉ. एस्पी पटेल बताते हैं, 'बिरला सेलूलोज़ कपड़ा और नॉन-वोवन वैल्यू चैन में सर्कुलर फाइबर की पेशकश के विस्तार के लिए इनोवेटर का समर्थन करने के लिए दृढ़ता के साथ खड़ा है। हम इनोवेटिव बिजनेस मॉडल और पार्टनरशिप की खोज कर रहे हैं, यह सहयोग एक ऐसी पहल है, हमारा लक्ष्य सैक्ससेल को पायलट से कामर्शियल डेमोंस्ट्रेशन स्केल तक छलांग लगाने में मदद करना है। इस तरह की साझेदारियां ग्लोबल टेक्सटाइल वैल्यू चैन में सर्कुलरिटी को तेज करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

सैक्ससेल बी.वी. एक इनोवेटिव टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट विकास कंपनी है जो नए और सस्टेनेबल मैन मेड सेल्यूलोसिक फाइबर बनाने के लिए रीसायकल यूस्ड टेक्सटाइल को फीडस्टॉक में बदलती है। नए फाइबर बनाने के लिए कम पानी, जमीन और रसायनों की आवश्यकता होती है। एनस्किडे में सैक्सियन यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंस के शोधकर्ताओं की एक टीम ने 2015 में सैक्ससेल बी.वी. के साथ शुरुआत की। बड़े पैमाने पर टेक्नोलॉजी के परीक्षण और सुधार के बाद, 2020 में सफलतापूर्वक एक पायलट फैक्ट्री बनाई गई। 2024 तक सैक्ससेल एनस्किडे, नीदरलैंड में एक स्मॉलस्केल प्रोडक्शन प्लांट का निर्माण कर और विस्तार करेगा। बिड़ला सेल्युलोज़, आदित्य बिड़ला समूह का पल्प और फाइबर बिजनेस, एक अग्रणी सस्टेनेबिलिटी-फोकस्ड मैन मेड सेल्युलोसिक फाइबर (एमएमसीएफ) उत्पादक है।

बिड़ला सेलूलोज़ पल्प और फाइबर विनिर्माण के लिए 12 साइटों का संचालन करता है जो रीसाइकल्ड सामग्री और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण सहित पर्यावरण की दृष्टि से एफिशिएंट क्लोज्ड-लूप टेक्नोलॉजीज को लागू करते हैं। बिड़ला सेलूलोज़ टॉप हॉट बटन रैंकिंग एमएमसीएफ उत्पादकों में से एक है और इसे कैनोपी प्लैनेट सोसाइटी द्वारा 'डार्क ग्रीन शर्ट' दी गई है। इसके पांच ग्लोबल एडवांस रिसर्च सेंटर अत्याधुनिक सुविधाओं और पायलट प्लांट्स से लैस हैं। बिरला सेलूलोज़ के फाइबर रिन्यूएबल लकड़ी से बने होते हैं और काफी कम कार्बन उत्सर्जन और कम संसाधन खपत के साथ एक क्लोज्ड-लूप प्रोसेस का उपयोग कर बनाए जाते हैं।

शक्ति पंप्स को सातवां पेटेंट वेस्ट वाटर पम्प के लिए मिला

पीथमपुर। आईपीटी नेटवर्क

एनर्जी एफिशिएंट पंप्स और मोटर्स निर्माण की अग्रणी शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड को वेस्ट वाटर पंप्स में ''एडजस्टेबल इम्पेलर के साथ ग्राइंडर पंप असेंबली'' का आविष्कार करने के लिए पेटेंट प्राप्त हुआ है। पेटेंट कार्यालय, भारत सरकार ने, 1970 के पेटेंट अधिनियम में निर्धारित प्रावधानों का पूरी तरह से पालन करते हुए, शक्ति पंप्स को यह पेटेंट प्रदान किया है। यह पेटेंट 20 वर्षों की अवधि के वैध है यह और यह शक्ति पम्पस् का सातवां पेटेंट है। इस इनोवेशन के विभिन्न लाभ हैं। इसमें एडजेस्टेबल इम्पेलर के साथ कटर अरेंजमेन्ट का उपयोग किया गया है। जिससे ठोस मटेरियल का आकार छोटा किया जाएगा, ताकि आगे की प्रोसेस सरलता से हो पाए। अपशिष्ट जल में ठोस पदार्थ को काटने और पीसने से, यह तकनीक छोटे कणों का उत्पादन करती है जो कणों को तली में एकत्र करता है एवं जैविक उपचार, फिल्टरेशन और ट्रांसपोर्टेशन जैसी डाउनस्ट्रीम प्रक्रियाओं को सरल बनाता है। इससे अपशिष्ट जल उपचार और औद्योगिक प्रक्रियाओं की क्षमता में काफी सुधार होगा। शक्ति पंप्स के चेयरमेन दिनेश पाटीदार ने नई पेटेंट टेक्नोलॉजी के बारे में कहा कि ''मुख्य रूप से ठोस अपशिष्ट के कारण अपशिष्ट जल लाइनों में रुकावटों का सामना करना पड़ता है। ये रुकावटें सामान्य परिचालन को कठिन बनाती हैं और इसके परिणामस्वरूप रखरखाव में भारी लागत आ सकती है। हमारी रिसर्च टीम द्वारा किये गए इस शोध और उस पर मिले इस नए पेटेंन्ट के माध्यम से, हम इन चुनौतियों को प्रभावी ढंग से कम करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप न्यूनतम रखरखाव की आवश्यकताएं होती हैं और ऑपरेशनल डाउनटाइम कम हो जाता है। यह तकनीक वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट प्लांटों और औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए एक सस्टेनेबल विकल्प है। इसके अलावा इस पेटेन्ट का उपयोग औद्योगिक अनुप्रयोगों की एक विस्तृत श्रंखला में किया जा सकता है जहां पर ठोस कणों के आकार को कम करने की आवश्यकता होती है।

कोटक महिन्द्रा बैंक ने इलेक्ट्रॉनिक बैंक गारंटी जारी करने के लिये नेशनल ई-गवर्नेंस सर्विसेज लिमिटेड के साथ साझेदारी की

मुंबई। आईपीटी नेटवर्क

कोटक महिन्द्रा बैंक लिमिटेड (केएमबीएल/ कोटक) ने आज नेशनल ई-गवर्नेंस सर्विसेज लिमिटेड (एनईएसएल) के साथ साझेदारी करने की घोषणा की है। यह साझेदारी एनईएसएल के प?लेटफॉर्म पर केएमबीएल की पहली इलेक्ट्रॉनिक बैंक गारंटी (ई-बीजी) जारी करने के लिये हुई है। इस साझेदारी से व्यापार (ट्रेड) का डिजिटाइजेशन हो सकेगा और कागजों पर बैंक गारंटीज का इश्योएंस बंद करने में मदद मिलेगी। इस डिजिटाइजेशन में बीमा, संशोधन, समापन, डिजिटल स्टैम्पिंग और हस्ताक्षर शामिल हैं, जिससे गारंटी का टर्नअराउंड टाइम (टीएमटी) कुछ ही घंटों का हो जाता है, जबकि कागज वाली प्रक्रिया में 2-3 कार्यदिवस लगते हैं। ई-बीजी में सत्यापन के जोखिम भी नहीं रहते हैं। कोटक महिन्द्रा बैंक के प्रेसिडेंट एवं होलसेल बैंकिंग के हेड परितोष कश्यप ने कहा, 'कोटक महिन्द्रा बैंक अपने ग्राहकों को बैंकिंग में सुविधा तथा आसानी देने में आगे रहा है। एनईएसएल के साथ साझेदारी करके हमारे व्यापार ग्राहकों को ई-बीजी मिलेगी और सत्यापन के विभिन्न चरणों सहित असीमित कागजी कार्यवाही में लेंडर तथा जारीकर्ता को जो समस्याएं होती हैं, वे दूर होंगी। ग्राहकों पर केन्द्रित होने और नवाचार पर ध्यान देकर हमने अपनी बैंकिंग सेवाओं में डिजिटल कायाकल्प को काफी पहले अपनाया है। हम बैंकिंग उद्योग में अपने द्वारा प्रदत्त सभी उत्पादों तथा सेवाओं में अपने ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिये प्रतिबद्ध हैं और ई-बीजी इनमें से एक है।'

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।